वर्ष-15, अंक-233
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

सिटी चीफ

इंदौर, गुरुवार 28 नवम्बर 2024

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

सुविचार

आत्मविश्वास ही सफलता की पहली सीढ़ी है।

मप्र में ठंड से अधेड़ की मौत, रात में शॉपिंग कॉम्प्लेक्स के बरामदे में सो रहा था

बैतूल। बैतूल में एक शॉपिंग कॉम्प्लेक्स के बरामदे में सो रहे युवक की मौत हो गई। आशंका जताई जा रही है कि ठंड की वजह से उसकी जान गई है। घटना मंगलवार रात की है। बुधवार सुबह उसकी बॉडी अकड़ी हुई मिली। मंगलवार रात बैतूल में 10.7 डिग्री ट्रेम्प्रेचर दर्ज किया गया है। शॉपिंग कॉम्प्लेक्स में लगे सीसीटीवी कैमरे में युवक की तस्वीर कैद हुई है, जिसमें वो ठिठुरत नजर आ रहा है। कभी उठता है, कई लेटता है। कुछ देर बाद प्लास्टिक ओढ़कर सो जाता है, इसके बाद फिर नहीं उठता है। मृतक की पहचान चुन्नी ढाना निवासी बाबू धुर्वे छत्रपाल (उम्र 55 साल) के रूप में की गई है। पुलिस ने बताया कि वह हम्माली का काम करता था। साल 2017 में पत्नी की मौत बाद उसने मकान बेच दिया था। तब से वह गंज के शनि मंदिर और उसके आसपास ही रात गुजारता था। मृतक के परिजन नहीं होने के कारण समाजसेवी ने उसकी अंत्येष्टि की। युवक की मौत का कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट में ही सामने आएगा। शव परीक्षण करने वाले डॉक्टर तरुण साहू ने बताया कि मृतक को टीबी की बीमारी संभावित लग रही है। उसके दोनों फेफड़ों में पानी भरा पाया गया है। ऐसे में व्यक्ति को ठंड से भी बचकर रहना होता है। लेकिन बताया जा रहा है कि वह खुले में रहता था। प्रारंभिक तौर पर मौत की वजह यही बीमारी लग रही है।

खुद रेल मंत्री ने बताया...महीने में एक बार धुलते हैं रेलवे के कंबल

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे अपने यात्रियों को एसी श्रेणी के डिब्बों में बेडशीट और तकिये के अलावा, एक ब्लैंकेट यानी कंबल भी उपलब्ध कराती है। रेलवे का कहना है कि प्रत्येक यात्रा के बाद बेडशीट और तकिये के कवर धोए जाते हैं। लेकिन क्या आपको पता है कि कंबल कब घोया जाता है। दरअसल इस अहम सवाल का जवाब खुद रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को लोकसभा में दिया। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि भारतीय रेल यात्रियों को दिए जाने वाले कंबल महीने में कम से कम एक बार धुलते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि बेडरोल किट में यात्रियों को एक अतिरिक्त चादर दी जाती है, जिसका इस्तेमाल कंबल कवर के रूप में किया जा सकता है। रेल मंत्री ने यह जानकारी कांग्रेस सांसद कुलदीप इंदोरा के सवाल के जवाब में दी। इंदोरा ने पूछा था कि क्या रेलवे कंबल केवल महीने में एक बार धोता है? क्योंकि यात्रियों से स्वच्छता मानकों के अनुसार बिस्तर उपलब्ध कराने के लिए पैसे लिए जाते हैं।

हल्के और धोने में आसान होते हैं कंबल रेल मंत्री ने बताया कि भारतीय रेल द्वारा इस्तेमाल किए जा रहे कंबल हल्के, धोने में आसान और बेहतर इन्सुलेशन प्रदान करने वाले हैं, जिससे यात्रियों को यात्रा के दौरान आरामदायक अनुभव मिलता है। वैष्णव ने अपने लिखित जवाब में यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उठाए गए अन्य कदमों का उल्लेख किया।

मैकेनाइज्ड लॉन्ड्री का इस्तेमाल रेल मंत्री के मुताबक नए और बेहतर गुणवत्ता वाले बिस्तर के लिए बीआईएस मानकों के अनुसार लिनेन सेट का प्रावधान है। स्वच्छ बिस्तर उपलब्ध कराने के लिए मैकेनाइज्ड लॉन्ड्री का इस्तेमाल किया जाता है। लिनेन की धुलाई के लिए मानकीकृत मशीनों और केमिकल का प्रयोग किया जाता है। धुले हुए लिनेन की गुणवत्ता की जांच के लिए व्हाइटो-मीटर का इस्तेमाल किया जाता है।

शिकायतों पर होती है त्वरित कार्रवाई रेल मंत्री ने बताया कि रेल मंत्रालय ने शिकायतों की निगरानी के लिए जोनल और डिवीजनल मुख्यालयों पर वार रूम स्थापित किए हैं। रेलमदद पोर्टल पर दर्ज शिकायतों, जिनमें लिनेन और बेडरोल से जुड़ी शिकायतें भी शामिल हैं, पर त्वरित कार्रवाई की जाती है। उन्होंने यह भी कहा कि बेहतर लॉजिस्टिक्स का इस्तेमाल करते हुए लिनेन की स्टोरेज, परिवहन, लोडिंग और अनलोडिंग प्रक्रिया को सुव्यवस्थित किया गया है। इसके साथ ही इको-फ्रेंडली पैकेजिंग का भी ध्यान रखा जा रहा है।

अब अजमेर दरगाह में शिव मंदिर का दावा, कोर्ट ने मंजूर की याचिका

अजमेर। राजस्थान में अजमेर की ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह में संकट मोचन महादेव मंदिर होने का दावा करते हुए अजमेर सिविल कोर्ट में लगाई गई याचिका को कोर्ट ने सुनने योग्य माना है। यह याचिका हिंदू सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष विष्णु गुप्ता की ओर से लगाई गई। सिविल कोर्ट (वेस्?ट) के जज मनमोहन चंदेल ने याचिका को स्?वीकार कर लिया है। इस केस में दरगाह का एएसआई सर्वे कराए जाने की मांग की गई है, ताकि सबूत जुटाकर पता लगाया जा सके कि अजमेर दरगाह पहले शिव मंदिर थी या नहीं। कोर्ट ने बुधवार को सुनवाई के बाद नोटिस के निर्देश जारी किए। बता दें संभल में जामा मस्जिद के सर्वे के आदेश के बाद वहां हुई हिंसा के बाद अब अजमेर दरगाह के सर्वे को लेकर आया यह आदेश काफी अहमियत रखता है। इससे पहले मंगलवार को कोर्ट ने 27 नवंबर को अगली सुनवाई मुकर्रर की थी। हिंदू सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष विष्णु गुप्ता ने दावा किया है कि अजमेर की दरगाह पहले हिंदू संकट मोचन मंदिर हुआ करती थी और इसके समर्थन में उन्होंने दस्तावेज और साक्ष्य भी प्रस्तुत किए। उन्होंने बताया कि 1910 में प्रकाशित हर विलास शरदा की एक पुस्तक में भी इस मंदिर का उल्लेख मिलता है। गुप्ता ने अदालत में विभिन्न अन्य दस्तावेज भी पेश किए और मांग की कि अजमेर दरगाह का सर्वेक्षण किया जाए और इसकी मान्यता को रद्द कर हिंदू समाज को यहां पूजा करने का अधिकार दिया जाए। कोर्ट के आदेश के अनुसार, अजमेर दरगाह कमेटी, अल्पसंख्यक विभाग और एएसआई को नोटिस जारी किए जाएंगे। हिंदू सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष विष्णु गुप्ता ने वकील रामनिवास बिश्नोई और ईश्वर सिंह के मार्फत कोर्ट में वाद दायर किया था। कोर्ट ने 20 दिसंबर को अगली सुनवाई की तारीख तय की है। वहीं अजमेर दरगाह प्रमुख उत्तराधिकारी और ख्वाजा साहब के वंशज नसरुद्दीन चिश्ती ने कहा कि कुछ लोग सस्ती मानसिकता के चलते ऐसी बातें कर रहे हैं। कब तक ऐसा चलता रहेगा। आए दिन हर मस्जिद दरगाह में मंदिर होने का दावा किया जा रहा है। ऐसा कानून आना चाहिए कि इस तरह की बातें न की जाएं। ये सारे दावे झूठे और निराधार हैं।

मृत्युपूर्व बयान विश्वसनीय होना चाहिए...हाईकोर्ट ने माफ की उम्रकैद की सजा

जबलपुर। हत्या के आरोपी की आजीवन कारावास की सजा हाईकोर्ट ने निरस्त कर दी है। हाईकोर्ट के जस्टिस विवेक अग्रवाल और जस्टिस देव नारायण मिश्रा की युगलपीठ ने अपने अहम आदेश में कहा कि मृत्युपूर्व बयान की विश्वसनीयता दंड का आधार हो सकती है, लेकिन मृत्युपूर्व बयान के अलावा अपीलकर्ता के खिलाफ कोई अन्य साक्ष्य नहीं है। हरदा निवासी बंटी सिंह की ओर से दायर अपील में कहा गया था कि उसके चचेरे भाई की पत्नी हर्षा सिंह जुलाई 2012 में गंभीर रूप से जल गई थीं, जिनकी उपचार के दौरान अगस्त में मौत हो गई। मृत्युपूर्व बयान में मृतिका ने कहा था कि बंटी रात में उसके कमरे में आया और उसके पति के सामने कहने लगा कि वह उससे प्यार करता है और उसे अपने साथ ले जाएगा। इसके बाद बंटी ने रसोई में रखा केरोसिन उस पर डालकर आग लगा दी। चचेरा भाई होने के कारण उसके पति ने इसका विरोध नहीं किया। गंभीर रूप से जलने के बाद महिला ने बाथरूम में जाकर आग बुझाई और कपड़े बदले। पड़ोसियों के दबाव में पति ने उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया। युगलपीठ ने सुनवाई के दौरान पाया कि पति-पत्नी अपने मकान की दूसरी मंजिल के कमरे में थे, जहां बिना किसी कृत्रिम साधन के चढ़कर नहीं जाया जा सकता था। अपीलकर्ता अगल-बगल के मकान में रहता था और जांच में यह पाया गया कि रसोई के अंदर केरोसिन नहीं था। पुलिस ने अपीलकर्ता समेत मृतिका के पति और ससुराल पक्ष के अन्य सदस्यों के खिलाफ हत्या और दहेज प्रताड़ना का मामला दर्ज किया था। न्यायालय ने अन्य आरोपियों को दोषमुक्त करते हुए अपीलकर्ता को मृत्युपूर्व बयान के आधार पर सजा दी थी। घटना की जानकारी मिलने के बाद महिला के माता-पिता अस्पताल पहुंचे थे, लेकिन उन्होंने पुलिस में किसी प्रकार की शिकायत दर्ज नहीं करवाई। मृतका के माता-पिता और पड़ोसियों ने यह पुष्टि नहीं की कि ससुराल पक्ष दहेज के लिए प्रताड़ित करता था। युगलपीठ ने कहा कि इस बात की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता कि मृतिका ने अपने पति और ससुराल पक्ष को बचाने के लिए मनगढ़ंत कहानी गढ़ी हो। मृत्युपूर्व बयान के अलावा अपीलकर्ता के खिलाफ कोई साक्ष्य नहीं होने के आधार पर, युगलपीठ ने जिला न्यायालय द्वारा सुनाई गई सजा को निरस्त करते हुए अपीलकर्ता को दोषमुक्त कर दिया।

खास बैठक में हुआ हंगामाः जेपीसी का बढ़ेगा कार्यकाल, विपक्ष की मांग पर चेयरमैन जगदंबिका पाल को झुकना पड़ा

वक्फ बिल लटक गया!

नई दिल्ली। वक्फ विधेयक की जांच कर रही संसदीय समिति में बुधवार को बवाल मच गया। विपक्षी सदस्यों ने कार्यवाही को मजाक बताते हुए मीटिंग का बहिष्कार किया। हालांकि,बाद में वे वापस लौट आए। समिति के अध्यक्ष जगदंबिका पाल ने कार्यकाल बढ़ाने की बात कही है। विपक्ष का कहना है कि विधेयक पर पूरी तरह से विचार करने के लिए और समय चाहिए। संसद की एक कमिटी वक्फ कानून में बदलाव पर विचार कर रही है। इस कमेटी के चेयरमैन जगदंबिका पाल हैं। बुधवार को मीटिंग में विपक्षी सदस्यों ने हंगामा किया और बहिष्कार किया। उनका आरोप था कि मीटिंग जल्दबाजी में की जा रही है। विपक्ष कमेटी का कार्यकाल बढ़ाना चाहता है ताकि कानून पर ठीक से विचार हो सके। चेयरमैन ने कार्यकाल बढ़ाने पर सहमति जताई है। दरअसल विपक्ष का विरोध चेयरमैन जगदंबिका पालके कथित रूप से 29 नवंबर को लोकसभा में समिति की ड्राफ्ट रिपोर्ट पेश करने की घोषणा के कारण हुआ। कई विपक्षी दलों ने इसका विरोध किया। हालांकि,एक घंटे बाद वे मीटिंग में वापस आ गए। इससे संकेत मिला कि चेयरमैन कार्यकाल बढ़ाने की मांग करेंगे।

कमेटी लोकसभा स्पीकर से करेगी अनुरोध बीजेपी सांसद और वक्फ जेपीसी चेयरपर्सन जगदंबिका पालने मीटिंग के बाद कहा कि हमें अभी भी दूसरे लोगों और छह राज्यों के अधिकारियों की बात सुननी है। इन राज्यों में वक्फ़ और राज्य सरकारों के बीच विवाद हैं। 123 प्रॉपर्टी पर भारत सरकार, शहरी मंत्रालय और वक्फ़ बोर्ड के बीच विवाद है। हमें लगता है कि कार्यकाल बढ़ाने की जरूरत है। कमेटी मेंबर और बीजेपी सांसद अपराजिता सारंगी ने बताया कि कमेटी लोकसभा स्पीकर ओम बिड़ला से रिपोर्ट जमा करने की समयसीमा 2025 के बजट सत्र के आखिरी दिन तक बढ़ाने का अनुरोध करेगी।

कुछ समय निश्चित रूप से आवश्यक बीजेपी सांसद अपराजिता सारंगी ने कहा कि हमारे पास अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय की सुनवाई थी और वक्फ संशोधन विधेयक 2024 में प्रस्तावित विभिन्न संशोधनों पर व्यापक विचार-विमर्श हुआ। हंगामा मूल रूप से रिपोर्ट जमा करने के संबंध में उनके अनुरोध से उत्पन्न हुआ। इस बारे में काफी बहस हुई। सत्तारूढ़ दल के सदस्यों ने भी महसूस किया कि कुछ तरह का विस्तार होना चाहिए। मुझे लगता है कि कुछ समय निश्चित रूप से आवश्यक है।

विपक्ष की तरफ से इन सांसदों ने किया विरोध कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई, डीएमके के ए राजा, आप के संजय सिंह और टीएमसी के कल्याण बनर्जी ने बहिष्कार का नेतृत्व किया। उन्होंने कमेटी के जल्दबाजी वाले कार्यक्रम और उचित प्रक्रिया की कमी पर चिंता जताई। उन्होंने व्यापक विचार-विमर्श के लिए कार्यकाल बढ़ाने की मांग की। गोगोई ने बहिष्कार के बाद कहा कि लोकसभा स्पीकर ओम बिड़ला ने पहले संकेत दिया था कि कमेटी का कार्यकाल बढ़ाया जा सकता है। हालांकि, उन्होंने आरोप लगाया कि चेयरमैन पर एक वरिष्ठ सरकारी मंत्री का दबाव था कि 29 नवंबर की समयसीमा तक कार्यवाही को आगे बढ़ाया जाए।

कल्याण बनर्जी ने चेयरमैन पर लगाया आरोप टीएमसी नेता कल्याण बनर्जी ने अपनी चिंता व्यक्त की। उन्होंने दावा किया कि चेयरमैन विपक्षी सदस्यों से बातचीत करने या प्रमुख गवाहों को बुलाने में विफल रहे। बनर्जी ने कहा कि पूरी कार्यवाही एक मजाक है। पूरी कार्यवाही एक मजाक है। वाईएसआर कांग्रेस सांसद विजय साई रेड्डी ने कहा कि कई राज्य वक्फ बोर्ड और हितधारकों को अभी तक सुना नहीं गया है। इसलिए कमेटी के लिए तय समय सीमा तक अपना काम पूरा करना असंभव है। मीटिंग में अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे। मीटिंग में वक्फ विधेयक के संशोधनों पर चर्चा करनी थी और कमिटी के निष्कर्षों के आधार पर उन्हें स्वीकार या अस्वीकार करना था।

दिल दहलाने वाली घटना...70 साल के पति ने 65 वर्षीय पत्नी की काटी गर्दन

सागर। सागर में 70 साल के पति ने 65 वर्षीय पत्नी की गर्दन काटकर हत्या कर दी। फिर धड़ से सिर अलग किया और बालों को रस्सी से बांधकर घर से करीब 600 मीटर दूर पेड़ के तने में फंसा दिया। घर के दहलान में सिरकटा शव देखकर ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची। पंचनामा बनाकर सिर की सर्चिंग शुरू की। गांव से करीब 600 मीटर दूर ज्वालादेवी मंदिर रोड पर एक पेड़ के तने के बीच सिर नजर आया। मामला राहतगढ़ थाना इलाके के टेहरा-टेहरी गांव का है। महिला की पहचान राधारानी (65) के रूप में हुई है। आरोपी पति खूबचंद साहू (70) फरार है, जिसकी वजह से वारदात का कारण सामने नहीं आ पाया है। पुलिस ने पूछताछ की तो पता चला कि खूबचंद के घर में मंगलवार रात भजन हुए थे। देर रात करीब 1.30 बजे लोगों ने राधारानी और खूबचंद को एक साथ देखा था। सुबह राधारानी का खून से लथपथ शव मिला। फिलहाल पुलिस मानकर चल रही है कि खूबचंद ने ही पत्नी राधारानी की हंसिया से गर्दन काटकर हत्या की है। उसकी तलाश में संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। वारदात के बाद राहतगढ़ और जैसीनगर थाना पुलिस की अलग-अलग टीमें आरोपी की गिरफ्तारी के लिए लगाई गई हैं।

लाठी-डंडे से पीटकर सरपंच ने कर दी युवक की हत्या

शिवपुरी। शिवपुरी के इंदरगढ़ गांव में रास्ते को लेकर हुए विवाद में एक युवक नारद की लाठियों से पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। इस हत्याकांड का आरोप सरपंच और उसके परिवार पर है। मामले में पुलिस ने सरपंच, उसकी पत्नी और बेटे सहित आठ लोगों के खिलाफ हत्या का केस दर्ज किया है। घटना मंगलवार रात की है। वहीं, बुधवार को मेडिकल कॉलेज में पोस्टमॉर्टम कराने के बाद परिजन शव लेकर शिकायत दर्ज कराने सुभाषपुरा थाने पहुंचे। आरोप लगाया कि पुलिस वक्त पर पहुंचती तो नारद की जान बच सकती थी। परिजन ने लापरवाही बरतने वाले पुलिसकर्मियों को सस्पेंड करने की मांग की। इसके अलावा पीड़ित परिवार को शस्त्र लाइसेंस, आर्थिक मदद और सरकारी नौकरी देने की मांग की गई। इसके लिए पांच दिन का अल्टीमेटम दिया है। इसके बाद भी कोई सुनवाई नहीं होने पर परिजन और ग्रामीणों ने एनएच-46 पर 1 घंटे तक चक्का जाम किया। चक्का जाम में पोहरी से कांग्रेस विधायक कैलाश कुशवाहा भी मौजूद रहे। एसडीएम उमेश कौरव, एडिशनल एसपी संजीव मुले ने जांच के बाद कार्रवाई करने का आश्वासन दिया। इसके बाद परिजन ने चक्का जाम खत्म किया।

मामा के घर आया था युवक मोहना थाना क्षेत्र के दौरार गांव का रहने वाला नारद पिता विष्णु जाटव उसके मामा के घर इंदरगढ़ आया हुआ था। नारद के नाना, मामा रघुवीर और करण सिंह की कुछ साल पहले मौत हो चुकी थी। दोनों मामा और नाना के निधन के बाद वह अकसर काम में सहयोग करने के लिए इंदरगढ़ आता रहता था। स्थानीय लोगों ने पुलिस को बताया कि गांव के सरपंच पदम धाकड़ ने नारद के मामा रघुवीर और करण के साथ मिलकर खेत में पानी की पूर्ति और अन्य कार्य के लिए एक बोर का खनन कराया था। इस बोर से नारद के मामा जमीन की सिंचाई और सरपंच परिवार होटल के लिए पानी लेता था। लेकिन सरपंच पदम धाकड़ और उसके भाई मोहर पाल धाकड़ ने नारद जाटव के मामा की जमीन से होटल के लिए पीछे से रास्ता बना लिया था। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच अक्सर विवाद होता रहता था।

वारदात में शामिल चार आरोपी गिरफ्तार पुलिस ने बताया कि इस मामले में आठ लोगों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में केस दर्ज किया गया है। इस घटना के बाद तुरंत जांच टीम में बनाकर मामले के चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपी निक्की उर्फ अवधेश पुत्र पदम सिंह धाकड़ (24 साल), अंकित उर्फ अंकेश पुत्र बैताल सिंह धाकड़ (23 साल), मोहरपाल पुत्र मोतीलाल धाकड़ (44 साल), पदम सिंह पुत्र मोतीलाल धाकड़ को पकड़ा है। ये सभी इंदरगढ़ गांव के रहने वाले हैं। इनको सुभाषपुरा कस्बा से गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बताया कि इस मामले के शेष चार आरोपियों की तलाश जारी है।

सीएम ने अशांति फैलाने वालों पर सख्त कार्रवाई के दिए निर्देश मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने शिवपुरी जिले के ग्राम इंदरगढ़ में दो पक्षों में हुए आपसी विवाद में अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। सीएम ने शिवपुरी जिले के प्रभारी मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर को घटना स्थल पर पहुंच कर पीड़ित परिवार से मुलाकात के निर्देश भी दिए हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में अशांति फैलाने वाले तत्वों के खिलाफ सख्ती से निपटा जाएगा। मध्यप्रदेश में क्रूरता एवं अराजकता के लिए कोई स्थान नहीं है।

केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने दुख जताया शिवपुरी जिले के ग्राम इंदरगढ़ में दो पक्षों के बीच आपसी विवाद और मारपीट में घायल हुए युवक नारद जाटव की मौत पर केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने दुख जताया है। सोशल मीडिया एक्स पर उन्होंने लिखा कि यह समाचार अत्यंत कष्टदायी है। मामला संज्ञान में आने के बाद मैंने तुरंत ही स्थानीय प्रशासन और पुलिस अधिकारियों को आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। सिंधिया ने आगे लिखा कि पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर मामला पंजीबद्ध कर लिया है।

यूरेशियन ग्रुप की मीटिंग में अलग-अलग देशों से आए विशेषज्ञों ने रखी अपनी बात

वित्तीय नवाचार के दौर में अपराध रोकने की तकनीक को औजार बनाए

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर में आयोजित यूरेशियन ग्रुप की मीटिंग के तीसरे दिन अलग-अलग देशों से आए विशेषज्ञों ने अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि यह वित्तीय नवाचार का दौर है, जो जोखिम से भी भरा है। नशे के सौदागर, आतंकवादी, आय के स्त्रोत सहित अन्य गतिविधियों को छिपाने के लिए इसका उपयोग हो रहा है। इन जोखिमों को कम करने के लिए वैश्विक स्तर पर कानून और मजबूत करना होंगे। वित्तीय अपराध रोकने के लिए तकनीक को ही औजार बनाने के जरूरत है। भारत सरकार के अतिरिक्त सचिव विवेक अग्रवाल ने कहा कि आर्थिक अपराधों को रोकने के लिए हमारे पास वैश्विक दृष्टिकोण चाहिए। वैश्विक वित्तीय प्रणाली की अखंडता को बनाकर रखना होगा, ताकि अपराधी कमजोर वित्तीय नीतियों का फायदा न उठा सके।

जापान के प्रतिनिधि सोशी काजे कवाका ने कहा कि नई तकनीकों का उपयोग पैसे के स्त्रोत को छिपाने के लिए हो रहा है। अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद विश्व के लिए खतरा है। आजकल आतंकवादी फंडिंग के लिए क्रिप्टो करेंसी का उपयोग कर रहे हैं। इन अपराधियों को रोकने के लिए सदस्य देशों को मिलकर वैश्विक नेटवर्क और मॉडल विकसित करना होंगे। मीटिंग के अलग अलग सत्रों में प्रतिनिधियों ने अपनी बात रखी।

आर्थिक अपराधों से निपटने के लिए यह किया चीन ने

चीन की ओर से बताया गया कि हमने आर्थिक अपराधों से निपटने के लिए वर्चुअल असेट्स सर्विस प्रोवाइडर पर प्रतिबंध लगा दिया है। इससे वहां आर्थिक अपराधों को नियंत्रित करने में कमी आई है। चाइना ने वर्चुअल असेट्स और वर्चुअल असेट्स सर्विस प्रोवाइडर पर बैन लगाया है। वहां चाइना ने ये सब कैसे किया इसका भी डिटेल में प्रेजेंटेशन दिया गया है। बाकी देशों ने भी इसी तरह से जो कदम उठाए हैं, उनके बारे में बताया है। चाइना सहित अन्य देशों ने बताया कि उन्होंने फाइनेंशियल क्राइम रोकने के लिए क्या रेगुलशन बनाए हैं, कैसे रेगुलेट किया है, क्या चैलेंज आए हैं, उनसे कैसे निपटा है। वहां से आए अफसरों ने बताया कि कैसे संदिग्ध पेमेंट के बारे में रिपोर्ट जनरेट होती है और उस पर कैसे एक्शन लेते हैं।

भारत के सामने अलग तरह की समस्याएं

केंद्र सरकार के अतिरिक्त सचिव विवेक अग्रवाल ने बताया कि भारत में भी आर्थिक अपराधों से निपटने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। लेकिन चूंकि भारत इस इंडस्ट्री में ग्लोबल लीडर है, इसलिए भारत के सामने अलग तरह की समस्याएं हैं। हम आर्थिक अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए कदम उठा रहे हैं, लेकिन हम चाहते हैं कि ग्लोबल लीडर भी बने रहें। टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट के चैलेंजस भी सामने आ रहे हैं। एंटी मनी लॉड्रींग और काउंटर टेरर फाइनेंसिंग से साइबर फ्रॉड और फाइनेंशियल क्राइम हो सकता है। उसकी रोकथाम और रेगुलेट करना जरूरी है। पर ये भी जरूरी है कि इंडस्ट्री का ग्रोथ न रुके और भारत ग्लोबल लीडर भी बना रहे।

आज एशिया पेसिफिक की स्पेशल बैठक

पांच दिवसीय कार्यक्रम में 28 नवंबर को ईएजी और एशिया पेसिफिक ग्रुप की स्पेशल बैठक आयोजित होगी। इसमें नई वित्तीय तकनीक व फिनटेक से साइबर क्राइम पर रोक के उपायों व प्रतिबंध पर चर्चा होगी। वहीं फिनटेक के विशेषज्ञ प्रदर्शनी लगााने के साथ ही साइबर क्राइम की रोकथाम की जानकारी साझा करेंगे। बता दें कि इंदौर में हो रही यूरेशियन ग्रुप की अंतर्राष्ट्रीय बैठक में 25 देशों के 200 से ज्यादा प्रतिनिधि आए हुए हैं। इस बैठक में आतंकवाद के लिए होने वाली फंडिंग, मनी लॉन्ड्रिंग जैसे अपराधों की रोकथाम को लेकर सभी सदस्य देशों की कारगर रणनीति बनाई जा रही है। बुधवार को एक फिनटेक प्रदर्शनी का शुभारंभ भी हुआ।

एमआर-10 पर ब्रिज बनाकर बस स्टेशन को मेट्रो लाइन से जोड़ने की तैयारी

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर में मेट्रो रूट के स्टेशनों के निर्माण पर अब जोर दिया जा रहा है। मेट्रो रेल कॉपोरेशन अगले साल सितंबर तक मेट्रो का ट्रायल रन शुरू करना चाहता है। फिलहाल मेट्रो ट्रेक पर रेलवे लाइन और विद्युतीकरण का काम हो चुका है। स्टेशन बनने के बाद संचालन शुरू करने में आसानी होगी। सिंहस्थ के हिसाब से एमआर-10 पर बनकर तैयार हो चुके बस स्टेशन को मेट्रो के स्टेशन से जोड़ने के लिए ब्रिज बनाने काम भी शुरू हो गया है। स्टेशन से निकलने वाले यात्री सड़क पार करने के बजाए सिर्फ ब्रिज से मेट्रो स्टेशन तक जा सकें, इसलिए दोनों स्टेशनों को ब्रिज से जोड़ा जा रहा है। दोनों स्टेशनों के बीच की दूरी 20 मीटर है। इतनी ही लंबाई में ब्रिज का निर्माण किया जा रहा है।

जमीन से ब्रिज की ऊंचाई 12 मीटर रहेगी। इसके लिए बस स्टेशन के गेट के बाहर सीमेंट के बड़े पिलरों का निर्माण किया जा रहा है। उस पर लोहे के स्ट्रक्चर को रखकर पैदल ब्रिज बनेगा। इस ब्रिज को एस्केलेटर और लिफ्ट से भी जोड़ा जाएगा, ताकि यात्री अपने लगेज के साथ ब्रिज पर चढ़ सकें और मेट्रो स्टेशन तक जा सकें।

कई स्टेशनों का सिविल वर्क पूरा

मेट्रो रूट के व्यस्त सुखलिया ग्राम चौराहे, विजय नगर और रेडिसन चौराहे पर भी सड़क किनारे ब्रिज बनाकर मेट्रो स्टेशनों से जोड़ा जाएगा। इससे सड़क पर हादसे का अंदेशा कम रहेगा। अगले साल मेट्रो के संचालन से पहले पांच मेट्रो स्टेशनों का निर्माण होना है। इनका सिविल वर्क पूरा हो चुका है। अब अन्य निर्माण होना है। विधानसभा चुनाव के

पहले हुए मेट्रो के ट्रायल रन के समय गांधी नगर वाले हिस्से में एक मेट्रो स्टेशन बनाकर तैयार कर लिया गया था।

अगले माह से शुरू होगा अंडरग्राउंड वर्क

मेट्रो का अंडरग्राउंड वर्क अगले माह से शुरू होगा। पहले एयरपोर्ट से गांधी नगर वाले हिस्से को जोड़ा जाएगा। उधर एमजी रोड की तरफ से भी इसके लिए काम शुरू होगा। मेट्रो के अंडरग्राउंड साढ़े आठ किलोमीटर के रूट में ढाई हजार करोड़ रुपये का खर्च होगा। इस काम के लिए छह कंपनियों ने दिलचस्पी दिखाई है। कंपनियों की तकनीकी बिड खुल चुकी है। जल्दी ही वित्तीय बिड भी खोली जाएगी। अंडरग्राउंड हिस्से में मेट्रो के सात स्टेशन भी बनेंगे। इंदौर को फ्लाई ओवर सिटी बनाने की तैयारी ट्रैफिक की समस्या से निजात दिलाने के लिए इंदौर को फ्लाई ओवर सिटी के रूप में विकसित करने की तैयारी है। शहर में फिलहाल 20 फ्लाई ओवर हैं, जो प्रदेश में सबसे ज्यादा हैं। प्रशासन ने 1400 करोड़ की लागत से 19 चौराहों पर नए फ्लाई ओवर का प्रस्ताव तैयार किया है।

प्रशासन ने राजीव गांधी चौराहा, गोपुर चौराहा, चाणक्यपुरी चौराहा, महू नाका, बड़ा गणपति, एमआर 9 एबी रोड, एमआर 9 रोबोट चौराहा, कनाडिया रोड, बायपास कॉरिडोर, टीपीएस 4 और 5 के बीच, बॉम्बे हॉस्पिटल चौराहे के बीच, एमआर 12, एमआर 10 बायपास, एमआर 10 आरओबी चौड़ीकरण, मरीमाता चौराहा तीन लेन, गांधी नगर चौराहा पर नए फ्लाई ओवर बनाने का प्रस्ताव तैयार किया है।

ढोल नगाड़ों के साथ घर सील करने पहुंची नगर निगम की टीम

बकाया था 15 लाख 62 हजार का टैक्स

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। आमतौर पर ढोल-नगाड़ों का इस्तेमाल शादियों या खुशी के अवसरों पर होता है। लेकिन, मध्य प्रदेश के इंदौर शहर में एक दिलचस्प मामला सामने आया। यहां ढोल नगाड़ों का उपयोग बकाया टैक्स वसूली के लिए किया गया। दरअसल, नगर निगम के अधिकारी एक घर को सील करने ढोल-नगाड़ों के साथ पहुंचे। पूरा मामला इंदौर के झोन-3 क्षेत्र का है। यहां की रहने वाली आशा रानी दीक्षित पर घर का टैक्स लंबे समय से बकाया था। कई नोटिस जारी करने के बाद भी जब टैक्स जमा नहीं हुआ, तो निगम ने एक अलग तरीका अपनाया। नगर निगम का ये तरीका देखकर लोग भी हैरान हो गए। घर का बकाया टैक्स नहीं चुकाने पर नगर निगम ने ढोल-नगाड़ों के साथ कार्रवाई की। अधिकारियों का यह कदम न केवल लोगों का ध्यान आकर्षित करने में कामयाब रहा, बल्कि अन्य टैक्स डिफॉल्टर्स के लिए भी एक सख्त संदेश बन गया। एआरओ अनिल निकम ने बताया कि विजय नगर स्थित झोन-3 में आशा रानी दीक्षित में मकान का 15 लाख 62 हजार रुपये टैक्स नहीं जमा किया था। निगम के तरफ से बार-बार नोटिस देने के बाद भी नजर अंदाज किया जा रहा था, जिसके कारण घर को सील किया गया है। एआरओ निकम ने बताया कि सार्वजनिक सूचना देकर घर सील किया गया है। जिस घर का टैक्स बाकी होता है उस घर के बारे में ढोल-तासे बजाकर लोगों को सूचित किया जाता है कि इस घर का टैक्स बकाया है। ताकि लोग घर खरीदने से पहले निगम से आकर जानकारी ले कि इस घर पर कोई टैक्स तो बकाया नहीं है। इससे पहले भी पूर्व पार्षद मुन्ना अंसारी ने इस बिल्डिंग को क्रय किया गया था। उनको भी नोटिस देकर कई बार टैक्स जमा करने को कहा गया था। हालांकि उन्होंने कहा, अभी रजिस्ट्री नहीं हुई है आपको जो लगे कीजिए। निगम कमिश्नर शिवम वर्मा ने बताया कि सभी टैक्स बकायादारों को सूचित किया है। कार्रवाई लगातार जारी है। बड़े बकायादारों को गंभीर रूप से फोकस करते हुए नोटिस दिया जा रहा है। वहीं, कुछ घरों को सील भी किया जा रहा है। फिलहाल यह मामला शहर में चर्चा का विषय बना हुआ है। लोग इस अनोखे तरीके को लेकर तरह-तरह के रिएक्शन दे रहे हैं।

पढ़ाई के साथ-साथ अब नकलपट्टी में भी लड़कियां आगे

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। परीक्षा परिणामों में लड़कों की तुलना में अकसर लड़कियां ही अधिक बाजी मारती हैं। यहां तक कि प्रावीण्य सूची में भी लड़कियों की संख्या ही ज्यादा रहती है। मगर पढ़ाई के साथ-साथ नकलपट्टी में भी अब लड़कियां आगे आने लगी हैं। इंदौर के देवी अहिल्या विश्वविद्यालय द्वारा इस साल आयोजित की गई परीक्षाओं में नकलपट्टी के प्रकरणों को देखकर तो यही लगता है। इस साल ली गई परीक्षाओं में लगभग 400 नकल के प्रकरण बने हैं, उनमें से आधे यानी 200 प्रकरण में लड़कियां नकल करती पकड़ाई हैं। इंदौर समेत देशभर की परीक्षाओं की बात करें तो स्कूली शिक्षा से लेकर कॉलेज स्तर और अन्य प्रतियोगी

परीक्षाओं में भी लड़कियों का प्रदर्शन लड़कों के मुकाबले बेहतर ही रहा है। पढ़ाई के साथ अब अन्य फील्ड में भी लड़कियां अव्वल आ रही हैं। इन सबके बीच नकलपट्टी में लड़कियों का आगे आने सभी के लिए चौंकाने वाला है। देवी अहिल्या विश्वविद्यालय की परीक्षाओं में नकल के जो प्रकरण बने हैं उसके आंकड़े देखते हुए तो यह स्पष्ट होता है कि नकल के मामले में भी लड़कियों ने बाजी मार रखी है। इस साल विश्वविद्यालय ने जनवरी से लेकर अक्टूबर तक लगभग 300 तरह की परीक्षाएं आयोजित की है जिनमें नकल के 400 प्रकरण बने हैं और उनमें 200 प्रकरण तो लड़कियों के ही रहे हैं। उड़नदस्ते और अन्य स्तर पर ये प्रकरण बनाए जाते हैं और विश्वविद्यालय ने भी नकलचियों के खिलाफ कार्रवाई में कड़ाई की है। यहां तक कि इन लड़कियों ने नकल की सामग्री को छुपाने में भी कई नए प्रयोग किए। एक छात्रा की बालों की क्लिप में नकल की पर्ची निकली, तो किसी के बेल्ट में छिपी पर्चियां निकलीं, तो जूते, शर्ट या मोजे में भी ये नकल की पर्चियां पाई गई हैं। दरअसल, कोरोना के दौरान ऑनलाइन ही परीक्षाएं ली गई थीं, मगर उसके बाद ऑफलाइन परीक्षाएं शुरू हो गई, जिसमें नकल के इतने प्रकरण पकड़ाए।

मप्र की पहली महिला बॉडी बिल्डर वंदना ठाकुर ने जीता ब्रॉन्ज

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। कहते हैं जोश और जुनून कायम हो तो मुश्किलों से लड़कर भी मंजिल तक पहुंच सकते हैं। ऐसा ही कुछ कर दिखाया मध्यप्रदेश की पहली महिला बॉडी बिल्डर और इंदौर की बेटी वंदना ठाकुर ने। भारतीय बॉडी बिल्डर्स फेडरेशन (आईबीबीएफ) द्वारा मालदीव्स के कैनारेफ रिजॉर्ट में आयोजित 15वें वर्ल्ड बॉडी बिल्डिंग और फिजीक स्पोर्ट्स चैंपियनशिप 2024 में मध्यप्रदेश की बॉडी बिल्डर वंदना ठाकुर ने ब्रॉन्ज मैडल जीता है। यह मेडल वंदना ने महिला बॉडी बिल्डिंग के अंतर्गत 55 किलोग्राम से अधिक की श्रेणी में जीता है। इस प्रतियोगिता में दुनियाभर से बॉडी बिल्डर्स ने हिस्सा लिया, जिसमें प्रदेश की मशहूर बॉडी बिल्डर ने इकलौती बिल्डर के रूप में गर्व से भारत का प्रतिनिधित्व किया। वंदना ठाकुर ने कहा कि उन सभी को दिल से धन्यवाद् देती हूं, जिन्होंने इस यात्रा में मेरा साथ दिया। यह जीत सिर्फ मेरी नहीं है, बल्कि यह विजय घोष हमारे देश

का है। जब मैं मंच पर खड़ी थी और कांस्य पदक ले रही थी, उस समय मैंने अपनी यात्रा के हर उस पल को महसूस किया, जिसे मैंने न सिर्फ शारीरिक, बल्कि मानसिक रूप से भी बहुत कठिनाइयों से जूझते हुए पार किया। इस बार मैने प्रतिस्पर्धा में हिस्सा लेने के लिए तमाम चुनौतियों का सामना किया क्योंकि इस बार में सेहत ठीक नहीं थी, मांसपेशियों में काफी दर्द होता था रोजाना 8 घंटे का वर्कआउट मेरे लिए संघर्ष जैसा होता था, फिर भी कोशिश की और वहां तक पहुंची और ब्रॉन्ज हासिल किया थोड़ी और मेहनत करती तो हाथ में गोल्ड होता। इसके अलावा फाइनेंशियल प्रॉब्लम भी रही क्योंकि हाल ही में इंडोनेशिया में प्रतियोगिता के लिए गई थी। जहां सारी सेविंग खत्म हो गई, फिर लोगों से मदद मांगी लेकिन कोई भी आगे नहीं आया जैसे तैसे कुछ रुपए जमा किए और वर्ल्ड चैंपियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व करने पहुंची। वंदना ठाकुर ने भले ही इस बार बॉडी बिल्डिंग में ब्रॉन्ज हासिल किया हो लेकिन वो कहती हैं कि उनका देश को गोल्ड दिलवाने का सपना अधूरा रह गया। लेकिन अगली बार फिर से कोशिश होगी।

गजवा-ए-हिन्द के जवाब में भगवा-ए-हिन्द के पोस्टर लगे

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर की एक मस्जिद पर लगे गजवा-ए-हिंद के पोस्टर को लेकर पिछले दिनों काफी हल्ला मचा। विवाद के बाद पोस्टर मस्जिद से हटा लिया गया, लेकिन अब उसके जवाब में भगवा-ए-हिन्द के पोस्टर भंवरकुआ क्षेत्र में हिन्दूवादियों ने लगाए। जिन पर लिखा है-बटेंगे तो कटेंगे,एक है तो सेफ है। हिन्द राष्ट्र संगठन नामक संस्था ने यह पोस्टर क्षेत्र के कई घरों के आंगन की दीवारों पर लगाए है। संगठन के प्रदेशाध्यक्ष राजेश शिरोडकर का कहना है कि पिछले दिनों शहर में गजवा-ए-हिंद के पोस्टर नजर आए थे। हमारा संगठन भी हिन्दू परिवारों को संगठित और जागरुक कर रहा है। इसके लिए हमने एक है तो सेफ है के स्लोगन लिखे पोस्टर क्षेत्र में चिपकाए है। उनका कहना है कि नारों के कारण हिन्दू परिवारों में एकता का भाव जागृत हो रहा है। अभी शहर की एक कॉलोनी में यह पोस्टर लगाए है। धीरे-धीरे अन्य कॉलोनियों में यह पोस्टर वितरित किए जाएंगे। भंवरकुआ क्षेत्र के कुछ मकानों में पोस्टर लगाने की जानकारी पुलिस तक पहुंची, लेकिन अफसरों का कहना है कि इस मामले में हमारे पास किसी तरह की शिकायत नहीं आई है। जानकारी मिली है कि लोगों ने स्वेच्छा से यह पोस्टर अपने घरों के बाहर लगाए है।

प्रशासन अलर्ट, जांच में जुटा

भंवरकुआं के इंद्रपुरी में 8 से 10 घरों के बाहर पोस्टर चस्पा किए गए हैं। जिसमें लिखा है कि बंटोगे तो कटोगे, एक हैं तो सेफ हैं, लव जिहाद, थूक जिहाद, लैंड जिहाद, त्योहार जिहाद से बचना है तो एक रहना है। इसके साथ ही पंडित धीरेंद्र शास्त्री के समर्थन के पोस्टर भी कारों और घरों के बाहर लगे हैं। इस मामले में प्रशासन अलर्ट हो गया और जांच कर रहा है। हिंद राष्ट्र संगठन के प्रदेश अध्यक्ष राजेश शिरोडकर ने कहा कि हिंदुओं को जागरूक करने के लिए हिंद राष्ट्र संगठन मैदान में उतरा है। हम सभी तरह के जिहाद से हिंदुओं को बचाना चाहते हैं। हमारा नारा है कि अब इस देश में गजवा-ए-हिंद नहीं भगवा-ए-हिंद ही चलेगा। हिंदू जब तक एक नहीं होगा तब तक सेफ नहीं होगा।

धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने कही थी यह बात छतरपुर जिले से प्रारंभ हुई बागेश्वरधाम के संत पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की हिंदू सनातन पदयात्रा छठवें दिन निवाड़ी जिले के घुघसी ग्राम पहुंची। यहां रात्रि विश्राम से पहले शास्त्री ने मंच से संबोधित किया। यहां उन्होंने भगवा-ए-हिंद वाली बात कही। उन्होंने कहा कि एक करोड़ कट्टर हिंदू बना लेंगे तो हजार वर्ष तक सनातन धर्म को कोई उंगली नहीं दिखा सकता, इतनी सी बात है समझ जाए तो ठीक है, नहीं तो तुम्हारी बहन बेटी को लव जिहाद से बचा नहीं सकता है, चाहे अधिकारी हो, नेता हो, अभिनेता हो, खास हो या आम हो। लव जिहाद, लैंड जिहाद से तुम अपनी पीढ़ी को बचा नहीं सकते। बागेश्वर बाबा धीरेंद्र कृष्ण ने कहा है कि गजवा-ए-हिंद या भगवा-ए-हिंद जो होना है जल्दी हो जाए। बाबा बागेश्वर ने यह भी कहा कि वह आरपार के मूड में निकले हैं। बीती 4 नवंबर को इंदौर-4 विधानसभा सीट से भाजपा विधायक मालिनी गौड़ के बेटे और भाजपा नगर उपाध्यक्ष एकलव्य गौड़ ने सोशल मीडिया पर एक फोटो पोस्ट किया था। उन्होंने इसे विवादित बताते हुए कानूनी कार्रवाई की मांग की थी। एकलव्य ने लिखा था कि मस्जिद पर पोस्टर लगा हुआ है, जिसमें युद्ध का दृश्य दिखाया गया है। इसमें सामने की तरफ सेना बताई है, जो भगवा झंडे लिए हुए है। यह सनातन धर्म को चेतावनी है। यह एक अभियान है, इसे छोटी हरकत नहीं मानना चाहिए, यह हमारे लिए संदेश है।

इज्तिमा के चलते कल से 2 दिसंबर तक भोपाल में ट्रैफिक डायवर्जन

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। राजधानी भोपाल में मुस्लिम समाज का सबसे बड़ा धार्मिक सम्मेलन (इज्तिमा) का आयोजन हो रहा है। यह शहर के 14 किमी दूर ईंटखेड़ी रोड के पास 29 नवंबर से शुरू होकर 2 दिसंबर तक चलेगा। इस कार्यक्रम के लिए लगभग सभी तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। साथ ही सम्मेलन के लिए ट्रैफिक पुलिस ने यातायात बदलाव की योजना जारी की है। इज्तिमा के चलते सबसे ज्यादा भोपाल-बैरसिया प्रभावित होगा। दरअसल, इज्तिमा का आयोजन ईंटखेड़ी के घासीपुरा में किया जा रहा है। इस सम्मेलन में देश के अलग- अलग हिस्सों के तब्लीगी जमातें शामिल होंगी। इसमें विदेश से भी जमाती आएंगे। वहीं, 2 दिसंबर के दिन दुआ की नमाज होगी। इसके चलते पुराने भोपाल की कई सड़कों पर भारी ट्रैफिक रहेगा।

ट्रैफिक व्यवस्था में बदलाव

भोपाल में मुस्लिम धर्मावलंबियों के सम्मिलित होने के चलते इज्तिमा स्थल के आसपास के मार्ग पर ट्रैफिक में काफी दबाव रहेगा। इसके चलते जाम लगने की आशंका बनी रही रहती है। इस वजह से 29 नवंबर से सुबह 10 बजे से 2 दिसंबर की रात 8 बजे तक इज्तिमा स्थल ईंटखेड़ी में सभी प्रकार के भारी वाहनों और यात्री बसों की एंट्री बैन रहेगी। इसके साथ ही 1 दिसंबर की रात से 2 दिसंबर की रात तक सभी प्रकार के वाहनों की एंट्री बैन रहेगी।

इन रास्तों पर रहेगा ट्रैफिक प्रभावित

इज्तिमा के चलते मुबारकपुर से पटेल नगर नया बायपास, गांधी नगर से अयोध्या नगर बायपास, रत्नागिरी, लांबाखेड़ा से करोंद, भोपाल टॉकिज, पीरगेट, मोती मस्जिद, रॉयल मार्केट, लालघाटी चौराहा, नादरा बस स्टैंड, भोपाल रेलवे स्टेशन, अल्पना तिराहा, में लोगों के भारी दबाव के चलते ट्रैफिक प्रभावित रहेगा।

इन रुट्स से भारी वाहनों की एंट्री बैन

घासीपुरा-ईंटखेड़ी की ओर आने वाली सवारी बसों को बैरसिया से ईंटखेड़ी तक के मार्ग पर प्रवेश प्रतिंबंधित रहेगा।

गुना-शिवपुरी अशोकनगर से बैरसिया होकर भोपाल आने वाली यात्री बसें मकसूदनगढ़-गुना ब्यावरा से होकर भोपाल आ-जा सकती हैं। भोपाल शहर में 1 दिसंबर की रात 10 बजे से भोपाल के आसपास के जिलों से आने वाले सभी भारी वाहनों की एंट्री पूरी तरह बैन रहेगा। इंदौर और सीहोर की ओर से आने वाले भारी मालवाहक वाहनों को भोपाल आने से पहले सीहोर जिले की सीमा पर रोका जाएगा। वहीं, गुना और राजगढ़ की ओर से आने वाले वाहनों को ब्यावरा पर रोककर श्यामपुर और सीहोर के रास्ते डायवर्ट किया जाएगा।

ट्रैफिक के लिए ऑप्शनल मार्ग

एयरपोर्ट की ओर जाने वाले वाहन भदभदा चौराहा, नीलबड़, रातीबड़, झागरिया रोड से खजूरी बायपास, मुबारकपुर बायपास होकर एयरपोर्ट जा सकेंगे। भोपाल शहर से मुख्य रेलवे स्टेशन की ओर जाने वाले वाहन रोशनपुरा, लिंक रोड 2, बोर्ड ऑफिस, चेतक ब्रिज से प्रभात चौराहा, 80 फीट रोड होकर प्लेटफॉर्म-1 की तरफ आ सकेंगे। बैरसिया से शहर की ओर आने वाले आम यात्री गोलखेड़ी, राताताल, तारासेवनिया और परवलिया होते हुए भोपाल में एंट्री कर सकते हैं।

इज्तिमा में आए लोगों के लिए पार्किंग व्यवस्था

विदिशा की ओर से आने वाले वाहनों को लंबाखेड़ा बाइपास चौराहे से होकर निर्धारित इज्तिमा पार्किंग स्थल बनाए गए हैं। वहीं, सीहोर-राजगढ़ की तरफ से आने वाली गाड़ियां मुबारकपुर स्क्वैयर से मीना चौराहे बाइपास से होकर निर्धारित इज्तिमा पार्किंग की व्यवस्था की गई है। इसके साथ ही भोपाल से आने वाले वाहन लाम्बाखेड़ा बाइपास चौराहे से होकर निर्धारित इज्तिमा पार्किंग में वाहन खड़े कर सकेंगे। वहीं, बैरसिया से आने वाले वाहन गोलखेडी जोड़ के पास पार्किंग स्थल बनाया गया है।

मप्र में पानी बर्बाद करने पर हो सकती है जेल, बनने जा रहा नया कानून

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। मध्य प्रदेश में पानी की सप्लाई को बेहतर बनाने के लिए नया कानून आने वाला है। इस कानून का ड्राफ्ट तैयार हो गया है। इसका नाम मध्यप्रदेश पेयजल अधिनियम-2024 है। इस कानून में पानी की पाइपलाइन तोड़ने पर 2 साल की जेल का प्रावधान है। साथ ही, पानी के काम के लिए लाइसेंसी प्लंबर रखना अनिवार्य होगा। सरकार, स्थानीय निकाय और आम लोगों की पानी के मामले में जिम्मेदारी तय की जाएगी। इस कानून से पानी की बर्बादी रोकने और सप्लाई व्यवस्था को दुरुस्त करने की कोशिश की जा रही है। यह कानून जल जीवन मिशन के तहत पीएचई विभाग ने तैयार किया है। अभी हर घर नल योजना चल रही है। शहरों और गांवों में पानी के बड़े प्रोजेक्ट भी चल रहे हैं। पुराने कानूनों में पानी के बारे में कुछ सामान्य नियम ही थे। इससे अलग-अलग एजेंसियों के बीच तालमेल बिठाने में दिक्कत होती थी। कंपनियां पानी की टंकी और पाइपलाइन बनाकर निकायों को सौंप देती थीं। फिर पानी की सप्लाई और देखभाल का जिम्मा निकायों का होता था। इस नए कानून में सभी की भूमिकाएं साफ-साफ तय की गई हैं, ताकि कोई झगड़ा न हो।

20 हजार रुपए तक का जुर्माना

घर के पानी का व्यावसायिक इस्तेमाल करने पर 20 हजार रुपये तक का जुमार्ना लगेगा। पानी की बबार्दी पर तीन महीने से तीन साल तक की सजा हो सकती है। पानी का मीटर या दूसरा उपकरण चुराने पर 3 साल की जेल और 1 लाख रुपये तक जुमार्ना हो सकता है।

ऐसे तय होगा टैरिफ

नया कानून लागू होने पर पानी का बिल बिजली के बिल जैसा आएगा। इसमें मीटर का किराया, फिक्स चार्ज और इस्तेमाल किए गए पानी का शुल्क अलग-अलग दिखेगा। राज्य सरकार पानी का न्यूनतम शुल्क तय करेगी। यह नियम ग्राम पंचायत से लेकर नगर निगम तक पर लागू होगा। पानी का टैरिफ राज्य सरकार और निकाय मिलकर तय करेंगे।

पाइपलाइन खराब होने पर जिम्मेदारी तय

अगर किसी के घर में पाइपलाइन खराब है और पानी बर्बाद हो रहा है, तो उसे ठीक करवाना उसकी जिम्मेदारी होगी। अगर ऐसा नहीं किया गया तो सरकार और निकाय बर्बाद हुए पानी का पैसा और मरम्मत का खर्च वसूल सकते हैं। इसके अलावा, पानी की सप्लाई के लिए नॉन कन्वेंशनल सोर्स, जैसे सौर ऊर्जा, का इस्तेमाल बढ़ाया जाएगा। इसके लिए एक अलग पावर ग्रिड बनाई जाएगी। सरकार पानी की सप्लाई के लिए एक खास कंपनी भी बना सकती है। सिर्फ लाइसेंस वाले प्लंबर ही नल कनेक्शन का काम कर सकेंगे।

पानी के बेहतर प्रबंधन में करेगा मदद

सरकार का मानना है कि यह कानून पानी की समस्याओं से निपटने में मददगार साबित होगा। यह कानून पानी के संसाधनों के बेहतर प्रबंधन में मदद करेगा और लोगों को साफ पानी उपलब्ध कराएगा। यह कानून लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाएगा। इससे पानी की बबार्दी रुकेगी और पानी की किल्लत से निजात मिलेगी। यह कानून राज्य के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

जनसंपर्क अधिकारी पूजा थापक सुसाइड मामले में फिर पेंच

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। जनसंपर्क अधिकारी पूजा थापक की आत्महत्या मामले में गिरफ्तार पति निखिल दुबे की मुसीबतें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। कोर्ट ने उनकी जमानत याचिका खारिज कर दी। सुनवाई के दौरान सत्र न्यायाधीश विनय कुमार भारद्वाज की अदालत में याचिका पर सुनवाई के बाद इसे खारिज किया गया। बता दें कि इस मामले की गहन जांच के बाद 16 जुलाई को गोविंदपुरा पुलिस ने निखिल दुबे के खिलाफ दहेज मृत्यु, आत्महत्या के लिए उकसाने और प्रताड़ना की धाराओं में एफआईआर दर्ज की थी। इसके बाद निखिल कई दिन फरार थे, बाद में भोपाल पुलिस ने उसे दिल्ली से गिरफ्तार किया, वह दिल्ली में एक दोस्त के घर में छिपा हुआ था। ग्वालियर निवासी पूजा थापक की शादी वर्ष 2022 में भोपाल के साकेत नगर निवासी निखिल दुबे से हुई थी। निखिल का मूल पद नायब तहसीलदार का है, जबकि वह अरेरा हिल्स स्थिति सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग में सहायक संचालक के पद पर कार्यरत हैं। दोनों का एक साल का बेटा है।

अपना—अपना ढोल, अपना—अपना राग

पूजा थापक के भाई प्रखर थापक के अनुसार निखिल दुबे का चरित्र ठीक नहीं था। उसकी कॉलेज की एक लड़की से दोस्ती थी, इसी कारण पूजा और निखिल में विवाद होता था। उनका आरोप है कि निखिल ने फरारी इसी दोस्त के दिल्ली स्थित फ्लैट पर काटी थी। वहीं, निखिल के माता—पिता का दावा है कि पूजा पहले से ही विवाहित थी। उसने उनके बेटे निखिल से दूसरा विवाह कर लिया, पहले विवाह की बात छिपाई गई। बाद में उन्होंने जब विवाह का प्रमाण पत्र बरामद कर लिया तो ग्लानिवश पूजा ने आत्महत्या कर ली।

बता दें कि 9 जुलाई 2024 को पूजा थापक का शव अपने ही घर में फंदे से लटकता हुआ मिला था। 10 जुलाई को हल्ला मच गया था। बाद में पूजा के मायके पक्ष के बयान के बाद यह बात सामने आई थी कि पति और सास—ससुर से विवाद के बाद पूजा ने फांसी लगाकर आत्महत्या की है।

हमीदिया अस्पताल की इमरजेंसी में दलालों का जाल, 6 को पकड़ा

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। मध्यप्रदेश के जिला अस्पतालों से सरकारी मेडिकल कॉलेजों में रेफर होने वाले मरीजों के मामले में दलालों का नेटवर्क सक्रिय हो गया है। इन दलालों की मदद से मरीजों को निजी अस्पतालों में भर्ती कराया जा रहा है, जो सरकारी अस्पतालों में इलाज के बजाय निजी अस्पतालों में इलाज के लिए भेजते हैं। हाल ही में एक मामला सामने आया है, जिसमें हरदा जिले से एक मरीज को दलालों के माध्यम से निजी अस्पताल में भर्ती करा दिया गया। अब इस मामले में हमीदिया अस्पताल के अधीक्षक सुनील टंडन ने छह दलाल को पकड़ा है। वहीं, मिलीभगत के चलते दो वॉर्ड बॉय को हटा दिया है।

18 नवंबर को हरदा के भादू गांव में एक दुर्घटना में दिनेश नामक व्यक्ति घायल हो गया था। दिनेश (45) की जांघ की हड्डी टूट गई थी और सिर तथा पैरों में भी गंभीर चोटें आई थीं। इसके बाद, उन्हें हरदा जिला अस्पताल से हमीदिया अस्पताल रेफर किया गया। लेकिन, अस्पताल में उनका इलाज करने के बजाय हमीदिया अस्पताल के स्टाफ की मिलीभगत से दलालों ने आधे घंटे में ही उन्हें एक निजी मल्टी केयर अस्पताल में भर्ती करा दिया।

मरीज दिनेश ने इस मामले पर बताया कि उन्हें इस बात की कोई जानकारी नहीं थी कि उन्हें निजी अस्पताल में क्यों भर्ती कराया गया। उनके साथ उनका भाई था और उन्हें बताया गया था कि उन्हें हरदा से हमीदिया रेफर किया गया था। यहां आकर डॉक्टर ने उनका चेकअप किया, लेकिन निजी अस्पताल में भेज दिया गया। हमीदिया अस्पताल के अधीक्षक सुनील टंडन को अमर उजाला ने दलालों के सक्रिय होने की सूचना दी थी। इसके बाद उन्होंने तुरंत मरीज को हमीदिया अस्पताल में शिफ्ट किया और मामले की जांच शुरू कर दी है। उन्होंने सीसीटीवी फुटेज की रिकॉर्डिंग को खंगाला। अधीक्षक ने बताया कि लगातार मॉनीटरिंग करने के बाद दलालों को रंगहाथ पकड़ा। 6 दलालों को पुलिस के हवाले किया गया है। हमीदिया अस्पताल के दो वॉर्ड बॉय की मिलीभगत होने से उनको नौकरी से हटा दिया है।

सीएम यादव बोले- रेलवे की 7 हजार करोड़ की परियोजना से बढ़ेंगे रोजगार

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्रीय कैबिनेट द्वारा रेल मंत्रालय की 7 हजार 927 करोड़ रुपये लागत की 3 मल्टी ट्रैकिंग परियोजनाओं को मंजूरी प्रदान करने पर प्रधानमंत्री मोदी और केन्द्रीय कैबिनेट का आभार व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि रेल लाइन के विस्तार से धार्मिक, सांस्कृतिक एवं इको पर्यटन को प्रोत्साहन मिलेगा। इस पहल से प्रदेश में ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग (खंडवा), खजुराहो यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल, असीरगढ़ किला और रीवा किला जैसे विभिन्न आकर्षणों तक बेहतर पहुंच सुनिश्चित होगी, जिससे श्रद्धालुओं और पर्यटकों को सुविधा मिलेगी। उन्होंने कहा कि इससे प्रदेश में रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगी। मुख्यमंत्री ने परियोजनाओं की स्वीकृत के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रेल मंत्री का आभार माना। बता दें कि केंद्रीय मंत्री-मंडल ने रेल मंत्रालय की 3 परियोजनाओं को मंजूरी दी, जिनकी लागत 7 हजार 927 करोड़ रुपये है। इनमें जलगांव-मनमाड चौथी लाइन (160 किमी), भुसावल-खंडवा तीसरी और चौथी लाइन (131 किमी) तथा प्रयागराज (इरादतगंज) मानिकपुर तीसरी लाइन (84 किमी) शामिल हैं। ये परियोजनाएं 3 राज्यों अर्थात महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश और उत्तरप्रदेश के 7 जिलों को कवर करेंगी। इससे भारतीय रेलवे के मौजूदा नेटवर्क में लगभग 639 किलोमीटर की वृद्धि होगी। निर्माण अवधि के दौरान लगभग एक लाख मानव-दिनों के लिए प्रत्यक्ष रोजगार उत्पन्न होंगे। इससे कोयला परिवहन और यात्री ट्रेनों के लिए निर्बाध कनेक्टिविटी सुनिश्चित होगी और मालगाड़ी के यात्रा समय में कमी करने में भी मदद मिलेगी। स्वीकृत परियोजना खंडवा और चित्रकूट जैसे 2 आकांक्षी जिलों में कनेक्टिविटी बढ़ाएगी, जिससे लगभग एक हजार 319 गांवों और लगभग 38 लाख आबादी को सेवा मिलेगी। मुंबई-प्रयागराज-वाराणसी रूट पर अतिरिक्त यात्री ट्रेनों के संचालन को सक्षम करके कनेक्टिविटी को बढ़ाएगा। नासिक (त्र्यंबकेश्वर) और वाराणसी (काशी विश्वनाथ) के ज्योतिर्लिंग के साथ प्रयागराज, चित्रकूट, गया और शिरडी जैसे धार्मिक स्थलों की यात्रा करने वाले तीर्थयात्रियों को लाभ होगा। अजंता और एलोरा गुफाएँ यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल, देवगिरी किला, यावल वन्यजीव अभयारण्य, केवटी फॉल्स और पुरवा फॉल्स आदि जैसे विभिन्न आकर्षणों तक बेहतर पहुँच के माध्यम से प्रकृति प्रेमियों और इतिहास में रूचि रखने वाले पर्यटकों को भी सुविधा होगी और पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा।

भोपाल के इज्तिमा को लेकर दूसरे मुल्कों में भी उत्साह का माहौल

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। दुनिया के तीसरे सबसे बड़े मजहबी समागम आलमी तबलीगी इज्तिमा की तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। राजधानी भोपाल के ईंटखेड़ी में होने वाले इस आयोजन के लिए देश ही नहीं दुनिया के दूसरे मुल्कों में भी उत्साह है। अपने देश से उमराह सफर पर सऊदी अरब पहुंचे अकीदतमंद पराए मुल्क में भी इस मजहबी समागम में शरीक होने की दावत वहां मौजूद लोगों को दे रहे हैं। आलमी तबलीगी इज्तिमा का आगाज इस माह की 29 तारीख को होगा। ईंटखेड़ी पर होने वाले इस आयोजन के इर्जि्तमगाह पूरी तरह से तैयार हो गया है। यहां आने वाले लाखों जमातियों के ठहरने और बैठने के लिए पंडाल आकार ले चुका है। स्थाई और अस्थाई टॉयलेट के अलावा बड़ी तादाद में वजूखाने और खानपान के जोन यहां तैयार हैं। छोटे बड़े वाहनों की पार्किंग के लिए पार्किंग जोन भी यहां बना दिए गए हैं। टेलीफोन, फायर सेफ्टी, मेडिकल और अन्य जरूरत के पंडाल भी इस्तीमगाह का हिस्सा बन चुके हैं। इस्तीमगाह से लेकर रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड और एयरपोर्ट तक आवाजाही सुगम बनाने का रोडमैप भी तैयार है। साथ ही इनकी व्यवस्था को दुरुस्त रखने के लिए वालेंटियर्स के जत्थों ने भी अपनी तैयारियों को पुख्ता कर लिया है। पुलिस प्रशासन भी लाखों लोगों के इस मजमे को सहेजने के लिए अपनी तैयारियों की रिहर्सल कर चुका है। जिला प्रशासन के साथ नगर

निगम, पीएचई, पीडब्लूडी, बिजली विभाग समेत अन्य विभागों ने अपनी जिम्मेदारी को पूरा करने के लिए खुद को झोंक दिया है। देश दुनिया से आने वाली जमातों ने तबलीगी जमात के भोपाल मरकज पर आमद देना शुरू कर दिया है। यहां से वे शहर की विभिन्न मस्जिदों का रुख कर रही हैं। जहां वे इर्जि्तमा का मकसद और इससे होने वाले दीनी फायदे समझा रहे हैं। भोपाल इज्तिमा की बातें सऊदी अरब में मौजूद लोगों के बीच भी हैं। उमराह सफर पर भोपाल, मप्र और अपने देश से पहुंचे लोग इसका खामोश प्रचार कर रहे हैं। भोपाल से उमराह सफर पर पहुंचे जाहिद मंसूरी और उनके परिजन के साथ मौजूद छोटे बच्चों में भी इसका उत्साह है। चार दिन के आलमी इज्तिमा के दौरान देश दुनिया से आने वाले उलेमा मजहबी तकरीरें करेंगे। इन तकरीरों में तबलीग के 6 बिंदुओं को खास तौर से बयान किया जाता है। कहा जाता है कि इन तकरीरों में सामाजिक, राजनीतिक या दुनियावी बातें नहीं की जाती। बल्कि इज्तिमा तकरीरों में सिर्फ जमीन से नीचे या आसमान से ऊपर की ही बातें होती हैं। दुनिया में सबसे बड़ा धार्मिक समागम हज को माना जाता है। जिसमें एक ही समय पर एक स्थान पर करीब 50 लाख लोग मौजूद होते हैं। इसके बाद बांग्लादेश के इज्तिमा को रखा जाता है। इसी कड़ी में भोपाल इज्तिमा तीसरे नंबर पर माना जाता है। वर्ष 1947 में मस्जिद शकूर खान में महज 13 लोगों से हुई शुरूआत के बाद अब इस आयोजन में 10 लाख से ज्यादा जमाती शामिल होते हैं। बरसों ताजुल मसाजिद में होते रहे इस आयोजन को वर्ष 2005 से ईंटखेड़ी में जगह मिली और तबसे अब तक यह आयोजन इसी स्थान पर हो रहा है।

कुछ सामाजिक संदेश भी

इज्तिमा के दौरान महंगी शादियों के रिवाज को रोकने सादगी के साथ निकाह किए जाते हैं। बिना किसी फिजूलखर्ची के होने वाले यह निकाह आयोजन के पहले दिन होंगे। वेस्ट खाने को उपयोग कर यहां खाद बनाई जा रही है। वॉटर ट्रीटमेंट की आधुनिक तकनीक यहां उपयोग की जा रही है। स्वच्छता अभियान को बढ़ावा देने के लिए प्लास्टिक और पॉलीथिन उपयोग पर पाबंदी। गीला और सूखा कचरा निष्पादन की तकनीक को आगे रखते हुए इस आयोजन ने गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में स्थान बनाया है। नशा निरोधी इंतजाम के साथ इर्ज्जिमगाह में सिगरेट, बीडी, तम्बाकू, पाउच पर पाबंदी। सामाजिक समरसता के संदेश के साथ सस्ती दरों पर वेज और नॉनवेज खाने के इंतजाम। ट्रैफिक कंट्रोल का नायाब तरीका, जिससे लाखों लोगों और हजारों छोटे बड़े वाहनों की आवाजाही आसान होती है।

सम्पादकीय

तीसरे विश्व युद्ध की आशंका के बीच शांति के भारत के प्रसास

यूक्रेन को मिल रही पश्चिमी देशों की मदद से रूस-यूक्रेन युद्ध का दायरा और बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। लगातार बढ़ रहे तनाव के बीच नाटो देशों ने अपने नागरिकों की सुरक्षा को लेकर तैयारियां शुरू कर दी हैं। नाटो मेंबर जर्मनी ने अपने नागरिकों की सुरक्षा के लिए नए बंकर बनाने का प्लान तैयार किया है। इस प्लान के तहत जर्मनी सार्वजनिक और निजी इमारतों को बंकर में तब्दील करने की तैयारी कर रहा है। अमेरिका में भी इस खतरे की आशंका को देखते हुए लोगों को आगाह किया जा रहा है। अमेरिकी सरकार ने न्यूक्लियर अटैक की स्थिति में नागरिकों को क्या करना चाहिए इससे जुड़ी एक सर्वाइवल गाइड जारी की है।

क्या रूस-यूक्रेन युद्ध न्यूक्लियर वॉर में तब्दील होने वाला है? क्या यूक्रेन के बाद रूस अब यूरोपीय देशों खासतौर पर नाटो के सदस्य देशों पर भी हमला करेगा? दरअसल यूक्रेन को मिल रही पश्चिमी देशों की मदद से रूस-यूक्रेन युद्ध का दायरा और बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। लगातार बढ़ रहे तनाव के बीच नाटो देशों ने अपने नागरिकों की सुरक्षा को लेकर तैयारियां शुरू कर दी हैं। नाटो मेंबर जर्मनी ने अपने नागरिकों की सुरक्षा के लिए नए बंकर बनाने का प्लान तैयार किया है। इस प्लान के तहत जर्मनी सार्वजनिक और निजी इमारतों को बंकर में तब्दील करने की तैयारी कर रहा है। इसके तहत इन इमारतों के बेसमेंट, अंडरग्राउंड पार्किंग और मेट्रो स्टेशनों को नागरिकों के लिए सुरक्षित शेल्टर में बदला जाएगा। दरअसल रूस ने हाल ही में अपनी परमाणु नीति में बदलाव करते हुए साफ कर दिया है कि अगर नाटो देश की मिसाइल से उस पर हमला हुआ तो वह इसे पूरे संगठन का हमला मानेगा। साथ ही नई परमाणु नीति के अनुसार, रूस पर परमाणु शक्ति से संपन्न किसी देश के समर्थन से हमला होता है तो रूस ऐसी स्थिति में न्यूक्लियर हमले पर विचार कर सकता है। उधर अमेरिका, ब्रिटेन और फ्रांस पहले ही यूक्रेन को अपनी लंबी दूरी की मिसाइलों के इस्तेमाल की मंजूरी दे चुके हैं। अमेरिकी मीडिया ने तो ये भी दावा किया है कि बाइडेन प्रशासन यूक्रेन को न्यूक्लियर बम ट्रांसफर करने पर भी गंभीरता से विचार कर रहा है। वहीं रूस ने साफ कर दिया है कि अगर यूक्रेन के सहयोगियों ने रेड लाइन पार की तो वह परमाणु हथियारों के इस्तेमाल पर विचार कर सकता है। ऐसे में पुतिन के गुस्से की चपेट में सबसे पहले यूरोप आ सकता है। जंग का दायरा बढ़ा तो आंच जर्मनी तक आने में देर नहीं लगेगी। यही वजह है कि जर्मनी तीसरे विश्व युद्ध की आशंका के बीच अपने नागरिकों की सुरक्षा को मजबूत करने की कोशिश में जुट गया है। जर्मनी के गृह मंत्रालय ने बताया है कि यह प्लान क्षेत्र में बढ़ते सुरक्षा खतरों को देखते हुए बनाया गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक जर्मन सरकार इन बंकरों के साथ-साथ एक मोबाइल एप भी तैयार करेगी जो लोगों को आपात स्थिति में नजदीकी बंकर का पता बताएगा। तीसरे विश्व युद्ध की आशंका से तैयारी करने वाला जर्मनी अकेला नाटो देश नहीं है, अमेरिका में भी इस खतरे की आशंका को देखते हुए लोगों को आगाह किया जा रहा है। अमेरिकी सरकार ने न्यूक्लियर अटैक की स्थिति में नागरिकों को क्या करना चाहिए इससे जुड़ी एक सर्वाइवल गाइड जारी की है। अमेरिका की फेडरल इमरजेंसी मैनेजमेंट एजेंसी की ओर से जारी की गई इस निर्देशिका में कहा गया है कि न्यूक्लियर अटैक की स्थिति में किसी सुरक्षित ठिकाने तक पहुंचने के लिए नागरिकों के पास अधिकतम 15 मिनट का समय होगा। ऐसे में किसी भी शख्स को खासतौर पर किसी मजबूत इमारत के बेसमेंट या सेंट्रल रूम में शरण लेनी चाहिए और खिड़कियों से दूर रहना चाहिए। सच तो यह है कि युद्ध का मैदान अंतिम तौर पर किसी ठोस समाधान की ओर नहीं ले जाता। इसका दूरगामी प्रभाव आसपास के देशों पर ही नहीं, पूरे विश्व पर पड़ता है। इतनी प्रगति का क्या फायदा, जब कोई देश युद्ध को लेकर अत्यधिक आक्रामक होकर दूसरे देशों के लोगों और यहां तक कि अपने नागरिकों का भी भविष्य रसातल में ले जाए। यह दुखद है कि दुनिया आज भी युद्ध के भयावह मंजर देख रही है। एक दूसरे पर महीनों से हमले कर रहे देशों को रोक पाने में संयुक्त राष्ट्र भी असहाय है। हैरत की बात है कि संवाद और कूटनीति के इस दौर में आज चंद देश प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से युद्ध कर रहे हैं, बिना यह सोचे कि उनकी पीढ़ियां दशकों पीछे चली जाएंगी। विश्व में लगातार बढ़ते संघर्ष के बीच भारत ने एक बार फिर शांति के प्रति अपना सरोकार जाहिर किया है। उसने याद दिलाया है कि युद्ध से कोई ठोस हल नहीं निकलता।

अन्य देशों से भारत की ओर रिवर्स ब्रेन ड्रेन

रिवर्स ब्रेन ड्रेन, आर्थिक रूप से अधिक विकसित राष्ट्र से विकासशील देशों में मानव पूंजी का स्थानांतरण है जो तेजी से बढ़ रहा है। यह एक प्रकार का ब्रेन ड्रेन है जिसमें प्रवासी विदेशों में ऐसे कौशल विकसित करते हैं जो उनके गृह देशों में उपयोगी होते हैं। ब्रेन ड्रेन तब होता है जब अकादमिक अभिजात वर्ग अपने गृह देशों में शिक्षा की सीमाओं वाले क्षेत्रों में अध्ययन और शोध करने के लिए अधिक विकसित देशों में पलायन करते हैं। इनमें से कुछ व्यक्ति बहुराष्ट्रीय फर्मों, विश्वविद्यालयों या संबंधित व्यवसायों के लिए काम करने के लिए अपने गृह देशों में वापस चले जाते हैं।

वैश्विक स्तर पर लगातार कुछ इस प्रकार की परिस्थितियां निर्मित होती दिखाई दे रही हैं, जिससे विशेष रूप से कनाडा एवं अमेरिका से भारत की ओर रिवर्स ब्रेन ड्रेन की संभावना बढ़ती जा रही है। कनाडा में खालिस्तानियों द्वारा चलाए जा रहे भारत विरोधी आंदोलन के चलते वहां निवासरत भारतीयों एवं मंदिरों पर लगातार हमले हो रहे हैं। भारतीयों एवं मंदिरों पर हो रहे इन हमलों पर लगाम लगाने में कनाडा की वर्तमान सरकार असफल सिद्ध हो रही है एवं इन हमलों को, राजनैतिक कारणों के चलते, रोकने की इच्छा शक्ति का अभाव भी दिखाई दे रहा है। इसके चलते भारत एवं कनाडा के राजनैतिक, सामाजिक एवं आर्थिक रिश्तों पर अत्यधिक विपरीत प्रभाव पड़ता हुआ दिखाई दे रहा है। स्थिति तो यहां तक पहुंच गई है कि भारत ने कनाडा में अपने दूतावास में प्रतिनिधियों की संख्या को कम कर दिया है तथा भारत ने कनाडा को निर्देशित किया था कि वह भी भारत में अपने दूतावास में प्रतिनिधियों की संख्या को कम करे। भारत एवं कनाडा के बीच आज कूटनीतिक रिश्ते आज तक के सबसे निचले स्तर पर आ गए हैं। साथ ही, कनाडा में आज सुरक्षा की दृष्टि से भी स्थितियां तेजी से बदल रही हैं तथा इसका कनाडा के आर्थिक विकास पर भी विपरीत प्रभाव पड़ता हुआ दिखाई दे रहा है। इसके चलते भारतीय आज कनाडा में अपने आप को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं और भारत की ओर रूख कर रहे हैं। दूसरी ओर, अमेरिका में डोनल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति पद का चुनाव जीतने के पश्चात वहां पर अवैध रूप से रह रहे अन्य देशों के नागरिकों को अमेरिका से निकाले जाने की सम्भावनाएं बढ़ गई हैं। हालांकि अमेरिका में अवैध रूप से रह रहे भारतीयों की संख्या लगभग नगण्य सी ही है परंतु ट्रंप प्रशासन द्वारा अब वीजा, एच1बी सहित, जारी करने वाले नियमों को और अधिक कठोर बनाया जा सकता है। अमेरिका में प्रतिवर्ष जारी किए जाने वाले कुल एच1बी वीजा में से 60 प्रतिशत से अधिक वीजा भारतीय मूल के नागरिकों को जारी किए जाते हैं। यदि इस संख्या में भारी कमी दृष्टिगोचर होती है तो अमेरिका में पढ़ रहे भारतीय छात्रों को, उनकी पढ़ाई सम्पन्न करने के पश्चात यदि एच1बी वीजा जारी नहीं होता है तो उन्हें भारत वापस आने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। इस प्रकार अमेरिका से भी भारतीयों का रिवर्स ब्रेन ड्रेन दिखाई पड़ सकता है। भारत आज पूरे विश्व में सबसे अधिक तेज गति से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था बन गया है, अतः भारत में तेज गति से हो रहे आर्थिक विकास के कारण सूचना प्रौद्योगिकी, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, उच्च तकनीकी क्षेत्रों, वाहन विनिर्माण उद्योग, फार्मा उद्योग, चिप विनिर्माण उद्योग, स्टार्ट अप, आदि क्षेत्रों में भारी मात्रा में रोजगार के नए अवसर निर्मित हो रहे हैं और भारत को इन क्षेत्रों में उच्च टेलेंट की आवश्यकता भी है। यदि कनाडा एवं अमेरिका से उच्च शिक्षा प्राप्त एवं उक्त क्षेत्रों में प्रशिक्षित इंजीनीयर्स भारत को प्राप्त होते हैं तो यह स्थिति भारत के लिए बहुत फायदेमंद होने जा रही है।

उक्त कारणों के अतिरिक्त आज अन्य देशों से भारत की ओर रिवर्स ब्रेन ड्रेन इसलिए भी होता दिखाई दे रहा है क्योंकि, भारत में आज मूलभूत सुविधाएं पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं। किसी भी दृष्टि से भारत का आधारभूत ढांचा आज किसी भी विकसित देश की तुलना में कम नहीं है। साथ ही, भारत में, विकसित देशों की तुलना में, मुद्रा स्फीति की दर कम होने से, सामान्य रहन सहन की लागत तुलनात्मक रूप से भारत में बहुत कम है। अतः भारत में अमेरिका एवं कनाडा की तुलना में शुद्ध बचत दर भी अधिक है। हाल ही के समय में भारत में स्वास्थ्य सेवाओं में भी पर्याप्त सुधार हुआ है। आज बैंगलोर, मुंबई, हैदराबाद जैसे शहरों में बहुत ही कम लागत पर अमेरिकी अस्पतालों की तुलना में (अमेरिका की तुलना में तो 1/10 लागत पर) अच्छी स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हैं। भारत के ग्रामीण इलाकों में तो शुद्ध हवा एवं शुद्ध पानी, जो स्वास्थ्य को ठीक बनाए रखने में सहायक होता है, पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। वरना, महानगरीय इलाकों में तो आज सांस लेना भी बहुत मुश्किल हो रहा है। विभिन्न देशों से उच्च शिक्षा प्राप्त एवं टेलेंटेड भारतीय जो भारत वापिस लौटे हैं, उन्होंने अपने नए प्रारम्भ किए गए स्टार्ट अप के कार्यालय दक्षिण भारत के ग्रामीण इलाकों में स्थापित किए हैं।

भारत में बहुत लंबे समय से मजबूत लोकतंत्र बना हुआ है एवं केंद्र में एक मजबूत सरकार, उद्योग एवं व्यापार को भारत में प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से उद्योग एवं व्यापार के मित्रवत आर्थिक नीतियों को सफलतापूर्वक लागू कर रही है। इससे प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की मात्रा में अपार वृद्धि दृष्टिगोचर हुई है। विकसित देशों में नागरिकों की औसत आयु 50 वर्ष से अधिक हो रही है जिससे श्रमिकों की संख्या इन देशों में लगातार कम हो रही है एवं श्रम लागत में भी भारी मात्रा में वृद्धि हुई है जिसके कारण इन देशों में उत्पादन लागत बहुत अधिक बढ़ गई है। हाल ही के समय में चीन भी इस समस्या से ग्रसित पाया जा रहा है। केवल भारत एवं दक्षिणी अफ्रीकी देशों में ही श्रम लागत तुलनात्मक रूप से बहुत कम है। इसके कारण विश्व की कई बहुराष्ट्रीय कम्पनियां अपनी विनिर्माण इकाईयों की स्थापना भारत में करना चाहती हैं। भारत में उत्पादों का निर्माण कर इन उत्पादों को विश्व के अन्य देशों को निर्यात किया जा रहा है। भारत में आटोमोबाईल उद्योग, मोबाइल उद्योग एवं फार्मा उद्योग इसके जीते जागते प्रमाण हैं। इन्हीं कारणों से आज भारत से कई उत्पादों का निर्यात बहुत तेजी से आगे बढ़ रहा है एवं भारत का विदेशी व्यापार घाटा लगातार कम हो रहा है। विदेशी व्यापार घाटे में सुधार होने के चलते भारत में विदेशी मुद्रा भंडार में भी वृद्धि दृष्टिगोचर है जो हाल ही के समय में 70,000 अमेरिकी डॉलर के आंकड़े को भी पार कर गया था। हालांकि, इसके बाद से इसमें कुछ गिरावट देखी गई है।

आज विश्व के कई विकसित देशों में सामाजिक तानाबाना छिन्न भिन्न हो गया है एवं इन देशों के नागरिकों में मानसिक असंतोष की भावना लगातार बढ़ रही है। इन देशों की आधे से अधिक आबादी आज मानसिक बीमारीयों से ग्रसित है। जबकि इसके ठीक विपरीत भारत में हिंदू सनातन संस्कृति के संस्कारों के अनुपालन से एवं संयुक्त परिवार की जीवनशैली के चलते भारतीय नागरिक मानसिक बीमारियों से लगभग पूर्णतः मुक्त रहे हैं। वे सुखी जीवन व्यतीत कर रहे हैं। विकसित देशों के नागरिकों ने भौतिक विकास तो अधिक किया है परंतु मानसिक शांति खोई है। जबकि इस धरा पर जन्म लेने का उद्देश्य ही सुखी जीवन व्यतीत करना है न कि अपने आप को मानसिक बीमारियों से ग्रसित कर देना। इन्हीं कारणों के चलते आज विश्व के कई देशों के नागरिक हिंदू सनातन संस्कृति को अपनाने की ओर लालायित दिखाई दे रहे हैं और वे भारत में बसने के बारे में गम्भीरता से विचार कर रहे हैं। अतः विकसित देशों से भारत में रिवर्स ब्रेन ड्रेन आने वाले कल की सच्चाई है। दरअसल रिवर्स ब्रेन ड्रेन, आर्थिक रूप से अधिक विकसित राष्ट्र से विकासशील देशों में मानव पूंजी का स्थानांतरण है जो तेजी से बढ़ रहा है। यह एक प्रकार का ब्रेन ड्रेन है जिसमें प्रवासी विदेशों में ऐसे कौशल विकसित करते हैं जो उनके गृह देशों में उपयोगी होते हैं। ब्रेन ड्रेन तब होता है जब अकादमिक अभिजात वर्ग अपने गृह देशों में शिक्षा की सीमाओं वाले क्षेत्रों में अध्ययन और शोध करने के लिए अधिक विकसित देशों में पलायन करते हैं। इनमें से कुछ व्यक्ति बहुराष्ट्रीय फर्मों, विश्वविद्यालयों या संबंधित व्यवसायों के लिए काम करने के लिए अपने गृह देशों में वापस चले जाते हैं। अतीत में अधिकांश अप्रवासी विकसित देशों में स्थायी रूप से काम करना और रहना पसंद करते थे, लेकिन कई कारकों ने उन्हें अपने देश लौटने के लिए प्रेरित किया है। विकासशील देशों में हाल ही में हुई आर्थिक वृद्धि ने रिवर्स ब्रेन ड्रेन में योगदान दिया है। लौटने वाले अभिजात वर्ग के लिए आकर्षक राष्ट्र विभिन्न प्रवासन नीतियां विकसित करते हैं जो विदेशी अधिकारियों, पेशेवरों और शिक्षाविदों को आकर्षित करती हैं। कुछ विकासशील देशों ने विदेशों से कौशल और ज्ञान वाले व्यक्तियों के लिए पुरस्कृत अवसरों के साथ एक कामकाजी माहौल विकसित किया है। दीर्घकालिक कार्य वीजा प्राप्त करने में कठिनाई ने बड़ी संख्या में विदेशियों को घर वापस जाने के लिए मजबूर किया है।

पाकिस्तान में गृह युद्ध जैसे हालात क्यों?

पाकिस्तान एक बार फिर राजनीतिक अराजकता के माहौल में फंस गया है। पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) और सरकार के बीच ठनी हुई है। पीटीआई ने अपने पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को जेल से रिहा कराने के लिए राजधानी इस्लामाबाद में मार्च का ऐलान किया। इस विरोध का ऐलान इमरान की पत्नी बुशरा बीबी ने किया था। पीटीआई कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने जब मंगलवार को इस्लामाबाद में घुसने की कोशिश तो उनकी सुरक्षा बलों के साथ हिंसक भिड़ंत हो गई। पीटीआई का दावा है कि पुलिस ने छह कार्यकर्ताओं की गोली मारकर हत्या कर दी और सैकड़ों समर्थक गिरफ्तार किए हैं। इस हिंसा में पाकिस्तान के भी छह सुरक्षाकर्मी मारे गए हैं और 100 से ज्यादा घायल हैं।

इस पूरे बवाल की जड़ में इमरान की पार्टी पीटीआई का संसद मार्च है। इस विरोध का मकसद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को रिहा कराने का है जो डेढ़ साल से अधिक समय से जेल में बंद हैं। दरअसल, पूर्व पीएम इमरान की पत्नी बुशरा बीबी और उत्तर-पश्चिमी प्रांत खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री अली अमीन के नेतृत्व में प्रदर्शनकारियों ने पाकिस्तान की संसद के पास एक बड़े चौराहे डी-चौक पर धरना देने की योजना बनाई थी। इसी योजना के तहत रविवार को पेशावर शहर से प्रदर्शनकारियों को ले जाने वाले वाहनों का एक काफिला एक लंबे मार्च के तहत रवाना हुआ। इस काफिले को पेशावर से लगभग 180 किलोमीटर दूर राजधानी तक पहुंचना था।

हालांकि, पीटीआई की रैली को देखते हुए दो दिन के लिए सुरक्षा लॉकडाउन और रैलियों पर प्रतिबंध लगा दिया गया। इन पाबंदियों को धता बताते हुए प्रदर्शनकारी इस्लामाबाद के बाहरी इलाकों में पहुंच गए। रास्ते में पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े और उन्हें आगे बढ़ने से रोकने के लिए शिपिंग कंटेनरों से सड़कें बंद कर दीं।

मार्च राजधानी तक पहुंच पता इससे पहले कई इलाकों में अराजकता का माहौल बन गया। मार्च से जुड़े वीडियो सामने आए जिसमें एक पुलिस चौकी को आग लगाते हुए और हाईवे पर कई जगहों पर आग लगाते हुए दिखाया गया है। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स ने बताया कि इस्लामाबाद के बाहर और पंजाब प्रांत में अन्य जगहों पर 22 पुलिस वाहनों को आग के हवाले कर दिया गया। वहीं एसोसिएटेड प्रेस ने बताया कि मंगलवार को हुए विरोध प्रदर्शनों में चार सुरक्षा अधिकारियों सहित कम से कम छह लोग मारे गए।

पाकिस्तान इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के डॉक्टरों ने मंगलवार को बताया कि पांच लोगों की मौत हो गई है, जिनमें चार सुरक्षा अधिकारी और एक नागरिक शामिल हैं।

मंगलवार की सुबह प्रदर्शनकारियों ने शहर की सीमा को फांदकर डी-चौक तक मार्च किया। उधर बिगड़ते हालात देख पाकिस्तानी सरकार ने सेना को बुलाया और सैनिकों को संसद, सुप्रीम कोर्ट और सचिवालय सहित प्रमुख सरकारी भवनों के बाहर तैनात किया गया है। आधी रात को सुरक्षा बलों ने प्रदर्शनकारियों को हटाने के लिए अभियान चलाया और सैकड़ों लोगों को गिरफ्तार कर लिया। हालांकि, बुधवार को पीटीआई ने इसे सरकार की क्रूरता बताते हुए अपने विरोध प्रदर्शन को फिलहाल वापस ले लिया।

पाकिस्तान के आंतरिक मंत्री नकवी ने कहा कि सुरक्षा बलों को गोलियां लगी हैं, लेकिन पुलिस प्रदर्शनकारियों के साथ संयम दिखा रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि प्रदर्शनकारी सीमा पार करते हैं तो सुरक्षा बलों को जवाबी गोलीबारी करने का अधिकार दिया गया है और वे कर्फ्यू लगाने जैसे अतिरिक्त कदम भी उठा सकते हैं।

रैली को देखते हुए रेड जोन क्षेत्र की ओर जाने वाली अवरुद्ध सड़क पर अर्धसैनिक बल के जवान पहरा दे रहे हैं। मंत्री नकवी ने कहा कि अर्धसैनिक रेंजर्स गोलियां चला सकते हैं और पांच मिनट के बाद वहां कोई प्रदर्शनकारी नहीं होगा। यहां पहुंचने वाले किसी भी व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

संघीय सूचना मंत्री अत्ता तरार ने कहा कि रेड जोन की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पाकिस्तानी सेना को बुलाया है। पाकिस्तान मीडिया ने सुरक्षा सूत्रों के हवाले से कहा कि संविधान के अनुच्छेद 245 के तहत उपद्रवियों से सख्ती से निपटने के लिए सेना को बुलाया गया है। उन्होंने बताया कि देखते ही गोली मारने के आदेश भी जारी किए गए हैं।

पीटीआई ने सरकार पर अत्यधिक बल प्रयोग करने का आरोप लगाया है और कहा है कि शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों पर गोलियां चलाई गईं। उसने कहा कि करीब दो दर्जन प्रदर्शनकारी घायल हुए हैं। हाल के दिनों में पंजाब और खैबर पख्तूनख्वा प्रांतों में हजारों इमरान खान समर्थकों को गिरफ्तार किया गया है क्योंकि अधिकारियों ने विरोध मार्च को रोकने की कोशिश की थी। इमरान खान ने अपने समर्थकों से कहा कि जब तक मांगें पूरी नहीं हो जातीं, तब तक वे डटे रहें। जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री ने अपने समर्थकों से कहा कि सभी प्रदर्शनकारी पाकिस्तानी शांतिपूर्ण, एकजुट रहें और तब तक डटे रहें जब तक हमारी मांगें पूरी नहीं हो जातीं। यह पाकिस्तान के अस्तित्व और सच्ची आजादी के लिए संघर्ष है। इमरान खान की पत्नी बुशरा बीबी अपनी बात पर अड़ी हुई हैं और पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों से संवेदनशील स्थान पर नियंत्रण करने की बात कही है। बुशरा बीबी ने समर्थकों के सामने शपथ ली कि जब तक उनके पति रिहा नहीं हो जाते, वे कार्यक्रम स्थल पर ही रहेंगे। प्रदर्शनकारी इमरान खान और अन्य राजनीतिक कैदियों की रिहाई की मांग कर रहे हैं। वे एक नए संवैधानिक संशोधन को भी निरस्त करना चाहते हैं, जिसने सरकार को उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों को चुनने और राजनीतिक मामलों की सुनवाई के लिए उन न्यायाधीशों को चुनने की शक्ति बढ़ा दी है।इमरान खान के समर्थकों का भी मानना है कि फरवरी 2024 में हुए चुनाव स्वतंत्र या निष्पक्ष नहीं थे और उन्होंने इसे चुराया हुआ जनादेश कहा।

इमरान खान को 2022 में संसद में अविश्वास प्रस्ताव के बाद पद से हटा दिया गया था। उसके बाद से इमरान ने प्रधानमंत्री शरीफ के नेतृत्व वाली वर्तमान सरकार के खिलाफ अभियान चला रहे हैं, जिसमें उन्होंने सरकार पर उन्हें पद से हटाने के लिए सेना के साथ मिलीभगत करने का आरोप लगाया है। पूर्व स्टार क्रिकेटर से नेता बने डेढ़ वर्ष से अधिक समय से जेल में हैं और भ्रष्टाचार से लेकर सरकारी गुप्त दस्तावेजों को लीक करने तक के आरोपों पर दर्जनों आपराधिक मामलों का सामना कर रहे हैं। हालांकि, इमरान और उनकी पार्टी इन तमाम आरोपों से इनकार करते हैं। इमरान ने बार-बार अपने समर्थकों से उनकी रिहाई की मांग को लेकर सड़कों पर उतरने का आग्रह किया है और कई शहरों में हिंसा भड़क उठी है। अक्टूबर की शुरुआत में इमरान खान की रिहाई की मांग को लेकर खैबर पख्तूनख्वा प्रांत से इस्लामाबाद तक मार्च निकाला गया था। इस मार्च के दौरान भी इसी तरह सड़क अवरोध, मोबाइल और इंटरनेट सेवाएं बाधित की गईं और पुलिस के साथ झड़पें हुईं।

वाहन चलाते समय सजग रहें बच्चों की सुरक्षा को लेकर

बच्चे परिवार का भविष्य होते हैं। समाज और देश की भावी पीढ़ी माने जाते हैं। घर के भीतर ही नहीं, बाहर निकलने पर भी सबसे ज्यादा संभाल-देखभाल की दरकार बच्चों को ही होती है। बावजूद इसके पैरेंट्स हों या परिजन, नयी पीढ़ी की सुरक्षा में कोताही करते दिख जाते हैं। तकलीफदेह है कि बड़ों द्वारा सड़क यातायात में सख्त नियमों की अनदेखी करना तो नौनिहालों का जीवन ही खतरे में डाल देता है। ऐसे में पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट के एक फैसले के आदेश बच्चों का जीवन सहेजने वाले हैं। हाल ही में सार्वजनिक हुए आदेशों के तहत हरियाणा, पंजाब और चंडीगढ़ में अब चार साल से बड़ी उम्र के हर बाइक सवार के लिए हेलमेट पहनना अनिवार्य कर दिया गया है। हाईकोर्ट ने स्पष्ट निर्देश दिया है कि हेलमेट केंद्र सरकार द्वारा निर्धारित मानकों के मुताबिक होना चाहिए। आदेश के अनुसार केवल पगड़ी पहनने वाले सिख महिला और पुरुषों को हेलमेट से छूट मिलेगी। निर्देशों से स्पष्ट है कि यह नियम मोटरसाइकिल चालक, पीछे बैठे व्यक्ति या साथ ले जाए जा रहे बच्चों तक, चार साल से ऊपर प्रत्येक व्यक्ति पर लागू होंगे। सुरक्षा से जुड़े इन निर्देशों में बच्चों को भी शामिल किए जाने के बाद हाईकोर्ट ने केंद्र सरकार को भी दोपहिया वाहनों की सवारी करने वाले चार साल से छोटे बच्चों की सुरक्षा के लिए विशेष नियम बनाने की बात कही है।

हमारे यहां टू व्हीलर वाहनों के दुर्घटनाओं के आंकड़े डराने वाले हैं। फिर भी देश के हर हिस्से में दोपहिया वाहन चालक तेज रफ़्तार के साथ ट्रैफिक नियमों की भी अनदेखी करते हैं। इतना ही नहीं, हेलमेट पहनने जैसे सुरक्षा उपायों को लेकर भी उपेक्षा का रवैया ही दिखता है। जिंदगी लीलने वाली यह लापरवाही टू व्हीलर पर बच्चों के साथ यात्रा करते हुए बरती जाती है। ऐसे में दोपहिया वाहन चालकों और सवारों के सुरक्षा इंतजामों को लेकर सजगता और सख्ती आवश्यक हैं।

गौरतलब है कि दो साल पहले सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने भी दोपहिया वाहन चालकों के लिए बनाए गए नियमों में बच्चों की सुरक्षा से जुड़ा नियम शामिल किया था। इस मंत्रालय ने भी चार साल से कम उम्र के बच्चों को दोपहिया वाहन पर ले जाने के लिए विशेष सुरक्षा नियमों का अनुसरण करने को कहा था। इनके तहत दोपहिया वाहन चालक को अनिवार्य रूप से बच्चों के लिए हेलमेट और सुरक्षा बेल्ट का इस्तेमाल करने की बात कही गई थी। वाहन की रफ्तार भी 40 किमी प्रति घंटे तक सीमित रखने की बात शामिल थी। देश में सड़क हादसों में जा रही जानें समाज और सरकार के लिए फिक्र का कारण बनी हुई हैं। सेफ्टी के हिसाब से समय-समय पर न सिर्फ इससे जुड़े नियम भी बदलते रहते हैं बल्कि नये नियम भी जुड़ते हैं। जरूरी है कि हर परिवार इन नियमों को लेकर भी जागरूक रहे। पल भर में दुख और दुश्वारियां झोली में डाल देने वाले सड़क हादसे बच्चों के लिए शारीरिक पीड़ा देने वाले ही नहीं मनोवैज्ञानिक रूप से भी एक सदमे के समान होते हैं।

सहारनपुर जिले में कृषि निर्यात को बढ़ावा देने के लिए हुई बैठक

बासमती चावल के सर्टिफिकेट ऑफ ओरिजिन को जनपद से ही जारी करने के दिए निर्देश

गौरव सिंघल | सिटी चीफ

सहारनपुर। जिलाधिकारी सहारनपुर मनीष बंसल की अध्यक्षता में जिले में कृषि निर्यात को बढावा देने के लिए कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में जिलाधिकारी मनीष बंसल ने डीडीएम नाबार्ड को निर्देशित किया कि जनपद के चौसा आम को जीआई टैग दिलाने के लिए सीआईएसएच लखनऊ से समन्वय करते हुए प्रक्रिया का निरंतर फॉलोअप करने के निर्देश दिए। उन्होंने जनपद से निर्यात हो रहे बासमती चावल के सर्टिफिकेट ऑफ ओरिजिन को जनपद से ही जारी करने के निर्देश दिए ताकि बासमती चावल होने वाला निर्यात जनपद के निर्यात में शामिल हो सके। इसके लिए

उन्होंने मंडी सचिवों को निर्देशित किया कि बासमती का निर्यात करने वाले व्यापारियों के साथ बैठक करें। डीएम मनीष बंसल ने गुड़ के निर्यात हेतु गन्ने के क्लस्टर बनाने के लिए खांडसारी विभाग के साथ अलग से बैठक करने के निर्देश दिए। उन्होंने उप निदेशक कृषि डॉ0 राकेश कुमार को एक्सपोर्ट करने के लिए एफपीओ को तैयार करने हेतु उत्तर प्रदेश एफपीओ शक्ति पोर्टल के फ़ेमरी पर एफपीओ के पंजीयन कराने के निर्देश दिए। बैठक में जनपद से मोक्षार्थ फार्मर प्रो0 क0 लिमिटेड के प्रस्तावित आम के क्लस्टर के अनुमोदन को स्वीकृत किया गया। ज्येष्ठ कृषि विपणन निरीक्षक सुनील सोम ने कृषि निर्यात नीति के बारे में उपस्थित कृषकों, एफपीओ एवं निर्यातकों को जानकारी दी। उन्होंने कृषि उत्पाद के कृषि निर्यात नीति के अन्तर्गत दिये जाने वाले प्रोत्साहनों को प्राप्त करने के लिए आवेदन करने की प्रक्रिया, प्रस्तुत किये जाने वाले अभिलेख वेबसाइड पर उपलब्ध ऑनलाइन मॉडयूल की पूर्ण जानकारी दी। उन्होंने एफपीओ एवं निर्यातकों को सरकारी योजनाओं एवं उनका लाभ प्राप्त करने के लिए निर्धारित मानकों एवं मापदण्डों के बारे में भी बताया। बैठक में मंडी सचिव सुमन भारती, उप कृषि निदेशक डॉ0 राकेश कुमार, डीडीएम नाबार्ड साद बिन सहित अन्य अधिकारीगण, कृषक, एफपीओ एवं निर्यातक उपस्थित रहें।

कटनी रेलवे स्टेशन पर 18 लाख का गांजा तस्करी करते दो महिलाएं गिरफ्तार

1 क्विंटल 20 किलो गांजा जब्त

सुनील यादव | सिटी चीफ

कटनी, कटनी जिले की कोतवाली पुलिस रात्रि गश्त के दौरान रेलवे स्टेशन प्लेटफॉर्म 5 के पास दो महिला गांजा तस्करों को अरेस्ट करते हुए उनके पास से 1 क्विंटल 20 किलो गांजा जप्त किया है जब्त हुए गांजा की अनुमान कीमत 18 लाख रुपए आंकी गई है। कटनी एस पी अभिजीत रंजन ने बताया कि ये महिलाएं उड़ीसा से छत्तीसगढ़ के होते हुए कटनी पहुंची थी।

कटनी एसपी अभिजीत रंजन ने बताया कि जिले में लगातार अवैध पदक पदार्थ की धरपकड़ के लिए जिले की सभी थाने की पुलिस लगातार अभियान चला रही है इसी के तहत कल रात्रि नाइट गश्त पर कोतवाली पुलिस थी तभी थाना क्षेत्र मेन रेलवे स्टेशन के पांच नंबर प्लेटफॉर्म के पास एक दीवार के सहारे दो पारधी समाज की महिलाएं खड़ी हुई थी जिस पर संदेह होने पर जैसे ही पुलिस उनके

पास पहुंची तो वह घबरा गई और भागने का प्रयासन करने लगी जिन्हें रोक कर जब उनके पास रखी बोरी और थैलों को खोल कर देखा गया तो उनके अवैध गांजा रखा हुआ था जिसे अरेस्ट कर पूछताछ की गई तो दोनों गांजा तस्कर महिलाओं ने बताया कि वह उड़ीसा से छत्तीसगढ़ होते हुए कटनी पहुंची थी और यह कटनी के रीठी और पन्ना जिले में इस गांजे की सप्लाई करती हैं। कोतवाली पुलिस ने दोनों महिलाओं को अरेस्ट कर इनके कब्जे से करीबन 1 क्विंटल 20 किलो गांजा जब्त किया है जिसकी अनुमानित कीमत 18 लख रुपए आंकी गई है।

भाजपा अल्पसंख्यक द्वारा संविधान दिवस पर कार्यक्रम आयोजित कर डॉ. भीम राव अंबेडकर को याद कर श्रद्धांजलि दी गई

गौरव सिंघल | सिटी चीफ | देवबंद | सहारनपुर, देवबंद में भाजपा अल्पसंख्यक द्वारा संविधान दिवस पर कार्यक्रम आयोजित करके भारत रत्न डॉ. भीम राव अंबेडकर को याद किया गया और उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। इस मौके पर भाजपा अल्पसंख्यक के नगर अध्यक्ष मुर्तजा कुरैशी ने कहा कि देश की आज़ादी के बाद संविधान सभा ने 26 नवंबर 1949 में संविधान को अपनाया था। इसको बाद 26 जनवरी 1950 को यह लागू किया गया था। उन्होंने संविधान निर्माता बाबा साहेब डा. भीमराव आंबेडकर को नमन करते हुए संविधान के प्रति निष्ठा रखने और कर्तव्य पथ पर चलने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान रिजवान अंसारी, परवेज़ आलम अब्बासी, शहजाद अली, अल्फाज कुरैशी, रवि कुमार, वसीम अल्वी, विनोद कुमार, नावेद आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मण्डलायुक्त की अध्यक्षता में सीएम डैश बोर्ड पर विकास कार्यों की बैठक संपन्न

विभाग पूरी सतर्कता एवं सावधानी से परफॉर्मेंस इंडिकेटर्स को देखते हुए लक्ष्य प्राप्ति की ओर बढ़ें

गौरव सिंघल | सिटी चीफ

सहारनपुर। मंडलायुक्त सहारनपुर डा0 हृषिकेश भास्कर यशोद की अध्यक्षता में सर्किट हाउस सभागार में सीएम डैश बोर्ड के आधार पर माह अक्टूबर के लिए विकास कार्यों की समीक्षा बैठक आहूत की गई। मण्डलायुक्त हृषिकेश भास्कर यशोद ने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि वह पूरी सावधानी एवं सतर्कता के साथ परफॉर्मेंस इंडिकेटर्स पर ध्यान देकर लक्ष्य प्राप्ति के लिए आगे बढे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि लाभार्थीपरक योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र को मिलना चाहिए। उन्होने कहा कि समाजिक कल्याण की योजनाओं में निरस्त आवेदनों की रैण्डमली जांच करवाई जाए ताकि कोई भी पात्र व्यक्ति योजना के लाभ से वंचित न हो। उन्होने निर्देश दिए कि ए एवं ए प्लस रैकिंग वाले नवाचार करें तथा लक्ष्य वृद्धि पर प्रयास करें। उन्होने कहा कि मण्डल की रैंकिंग उच्चतर स्तर पर रहे इसके लिए सभी मण्डलीय एवं जनपद स्तरीय अधिकारी निरंतर प्रयास करें। बैठक के दौरान योजना से संबंधित पूर्ण जानकारी के साथ ही उपस्थित हों। डॉ0 हृषिकेश भास्कर यशोद ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि सरकार की मंशा है कि संचालित योजनाओं का लाभ समयबद्धता के साथ पात्र व्यक्ति एवं परिवार को मिले। उन्होने नेडा विभाग को निर्देश दिये गये कि स्ट्रीट लाईटों के लिए लक्ष्य बढाने हेतु प्रस्ताव भेजा जाए। शामली एवं मुजफ्फरनगर में प्रधानमंत्री फसल बीमा

में कृषकों का पंजीकरण बढाने हेतु योजना का अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार करते हुए जागरूकता अभियान चलाया जाए तथा इससे प्राप्त लाभ भी बताएं। स्कूलों के भवन निर्माण में गुणवत्ता की जांच संबंधित मुख्य विकास अधिकारी करवाएं। मण्डलायुक्त चिकित्सा विभाग में एम्बुलेंस की संख्या बढाने तथा मैडिकल उपकरणों के रैगुलर मैंटेनेन्स, अपग्रेडेशन व रिपलेसमेंट की कार्यवाही के निर्देश अपर निदेशक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य को दिये गये। इसके साथ ही संबंधित एजेंसी के साथ समन्वय बैठक करने को कहा गया। सभी मुख्य चिकित्साधिकारी स्वास्थ्य विभाग द्वारा किए गये बेहतर कार्यों की मासिक बुलेटिन जारी करना सुनिश्चित करें। सहकारी दुग्ध समितियों को बढाने के दृष्टिगत जीएम प्रस्ताव बनाकर जिलाधिकारी के समक्ष प्रस्तुत कर निर्णय लें। हर घर जल योजना में प्रगति लाने के निर्देश दिए। फैमिली आईडी को लक्ष्य के अनुरूप करना सुनिश्चित करें। पर्यटन विभाग द्वारा संचालित योजनाओं का जिलाधिकारी बैठक कर प्रगति के लिए निर्देशित करें। समाजिक वनीकरण में हाईवे के किनारे वृक्षारोपण के लिए योजना बनाने के निर्देश डीएफओ को दिए गये। डॉ0 हृषिकेश भास्कर यशोद ने एडी बेसिक को निर्देश दिए कि प्राथमिक स्कूलों में बच्चों की उपस्थिति बढाने के दृष्टिगत अभिभावकों से वार्ता एवं अध्यापकों द्वारा काउंसलिंग की जाए तथा अध्यापन में रूचि लेते हुए कार्य करें। साथ ही ग्राम प्रधानों के माध्यम से भी शिक्षा के प्रति अभियान चलाया जाए। ऑपरेशन कायाकल्प की योजनाओं को शत-प्रतिशत पूर्ण करना सुनिश्चित करें। निराश्रित गोवंश का संरक्षण करते हुए सुनिश्चित करें कि कोई भी निराश्रित पशु खुले में न घूमे। इस कार्य को बेहतर ढंग से करने हेतु वन विभाग का भी सहयोग लिया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि गोआश्रय स्थलों का विस्तार भी किया जाए। ओडीओपी टूल किट वितरण योजना के तहत संयुक्त आयुक्त उद्योग को ओडीओपी उत्पादों की बेहतर मार्किटिंग की जाए। इसके विस्तार के लिए संबंधित कारीगरों को तकनीकी रूप से मजबूत बनाने हेतु प्रयास किए जाएं। नहरों में टेल तक पानी पंहुचाने के संबंध में विभाग द्वारा दी गयी रिपोर्ट की जांच संबंधित सीडीओ द्वारा करने के निर्देश दिए तथा इसमें पारदर्शिता के दृष्टिगत योजना में तकनीक का इस्तेमाल किए जाने के संबंध में प्रस्ताव शासन को भेजा जाए। मण्डलायुक्त ने पेंशन योजनाओं के संबंध में निर्देश दिए कि पेंशन संबंधी पत्रावलियों को किसी भी स्तर पर लम्बित न रखा जाए। वृद्धावस्था पेंशन, दिव्यांग पेंशन, निराश्रित महिला पेंशन संबंधी कार्यों में शिथिलता न बरती जाए। कन्या सुमंगला योजना में लम्बित प्रकरणों का निस्तारण यथाशीघ्र करने के निर्देश दिए। कृषि रसायन डीबीटी योजना के तहत उन्होने निर्देश दिए कि आमजन के बीच इसकी प्रवृत्ति को जानते हुए इसका विश्लेषण किया जाए। इस संबंध में जनप्रतिनिधियों से भी क्षेत्रवार सलाह लेना सुनिश्चित करें।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी मुजफ्फरनगर संदीप भागिया, मुख्य विकास अधिकारी शामली विनय तिवारी, डीएफओ शुभम सिंह, अधीक्षण अभियंता, लोक निर्माण विभाग, सिंचाई विभाग,जल निगम सहित संबंधित विभागों के मण्डल एवं जनपद स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

बजा रहे हैं डीजे तो रखना होगा इन बातों का ध्यान

उमेश कुशवाहा | सिटी चीफ

सतना. समय अब इतना बदल गया है कि डीजे बजाना भी महंगा पडने लगा है। कुछ लोग भागम दौड़ जिंदगी से मुक्ति पाने के लिए कुछ क्षण डीजे में थिरक कर व्यतीत कर रहे हैं। या फिर शक्ति या इच्छा शक्ति साथ नहीं दे रही है तो यह सब देख सुनकर भी काम चला रहे हैं। यह शौक पालिए लेकिन कुछ नियमों को भी ध्यान में रखिए। क्योंकि यदि नियमों का पालन नहीं किया तो डीजे बजाना महंगा पड़ जाएगा। डीजे वाले तो किसी तरह से अपना बोरिया बिस्तर समेटने भी लगते हैं तो उत्सव वाले समेटने नहीं देते फिर डीजे जब्त हो जाते हैं तो जिम्मेदारी का बोझ एक दूसरे पर लादा जाता है। हाल ही में जिस तरह से जिले के कई थानों की पुलिस ने बैठकें की डीजे वालों के होश उड़ गए। बैंड बाजे से डीजे तक की यात्रा के लिए सीजन तो खुला परंतु टाइम का परिसीमन हो गया। कोलगवां थाना पुलिस ने तीन डीजे वालों पर कार्यवाही करके यह सिद्ध कर दिया कि हमसे बैठकों तक सिमटे नहीं रहा जा सकता है।

इन थानों के ये हैं रोल सिर पर परीक्षा है और पढ़ाई के लिए शांति चाहिए। डीजे बजाने के लिए तो मना नहीं किया गया है परंतु उसका टाइम सेट कर दिया गया है । डीजे संचालकों के साथ कोतवाली टीआई रावेंद्र द्विवेदी ने बैठक की। बैठक के दौरान दिए दिशा निर्देश दिए गए कि कोई भी डीजे रात को 10 के बाद नहीं बजे। बच्चों की परीक्षाएं शुरू हो रही हैं। यदि नहीं मानें तो कड़ी कार्यवाही होगी। नागौद में थाना प्रभारी अशोक पांडेय द्वारा डीजे एवं शादी बारात घर / पैलेस संचालकों की मीटिंग ली गई जिसमें आवश्यक दिशा निर्देश का पालन किये जाने एवं रात्रि के 10.00 बजे

के बाद डीजे न बजाने की हिदायत दी गई । इसी प्रकार से सतना जिले के थानों की बैठकें ली जारही हैं और जिनकी बैठकें नहीं लीगई हैं उनको भी बैठकें लेकर समझाने के लिए कहा गया है।

मैहर पुलिस भी सजग मैहर थाना परिसर में नगर पुलिस अधीक्षक राजीव पाठक ने डीजे संचालकों और मैरिज गार्डन संचालकों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की। बैठक का उद्देश्य उच्चतम न्यायालय और मध्य प्रदेश शासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन सुनिश्चित करना था। बैठक में बताया गया कि सुप्रीम कोर्ट के आदेशानुसार रात 10 बजे से सुबह 6 बजे तक डीजे साउंड बजाना पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। इसके अलावा, डीजे की ध्वनि शासन द्वारा निर्धारित सीमा से तेज नहीं होनी चाहिए। साथ ही, शासकीय कार्यालयों, स्कूलों और कॉलेजों के पास दिन के समय डीजे बजाना भी पूर्णत- प्रतिबंधित रहेगा।

कोलगवा पुलिस ने जप्त किए तीन डीजेहाल ही में देर रात को रात्रि 10 बजे के बाद डीजे बजा रहे डीजे वाले जंग बहादुर चौधरी निवासी सोहावल एवं शांतिलाल गुप्ता निवासी टिकुरिया टोला और वीकेंड कुमार निवासी महादेवा के विरुद्ध धारा 285 बीएस एवं मध्य प्रदेश कोलाहल अधिनियम धारा 15 में उक्त तीनों डीजे वालों के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की गई।

खाद वितरण व्यवस्था को लेकर फिर उठे असंतोष के स्वर

उमेश कुशवाहा | सिटी चीफ।

सतना, भले ही खाद वितरण की व्यवस्था के सब ठीक ठाक होने के दावे किए जा रहे हैं परंतु कई किसानों के अंदर अब भी असंतोष की आग धधक रही है। एक ओर अन्नदाता को ऊर्जादाता बनाने के प्लान बनाए जा रहे हैं दूसरी ओर उनके उत्पादन के लिए रासायनिक खाद को ही मुख्य आधार बनाया जा रहा है। जमीन और बीज भी ऐसे हो गए हैं कि उनसे उपजने वाली फसल की प्यास रासानिक खाद से ही बुझती है। इसीलिए रासायनिक खाद के लिए मारामारी हो रही है। जैविक खाद की ओर कोई निहार ही नहीं रहा है। बहरहाल यदि खेती का सिस्टम रासायनिक खाद पर ही आकर टिक गया है तो इसकी पर्याप्तता पर पसीने क्यों छूट रहे हैं?

रैक की खाद का ऐसे है हिस्सा बांट रैक सतना से मिलने वाली खाद से 30 प्रतिशत हिस्सा प्राइवेट थोक व्यापारी लेते हैं और 70 प्रतिशत हिस्सा सहकारी समिति एवं डबल लॉक केंद्र को दिया जाता है। इसके बावजूद किसानों को पर्याप्त खाद उपलब्ध नहीं हो पा रही है। सत्तर प्रतिशत हिस्सा कहां चला जाता है यह भी जांच का विषय है। किसानों को जितनी खाद चाहिए उनको उतनी खाद भी नहीं मिल पा रही है। यद्यपि हाल ही में जिला प्रशासन ने एक नया आदेश दिया है कि अब प्राइवेट थोक व्यापारी जिले

की खाद को बाहर नही भेज पाएंगे। सतना, मैहर और पन्ना जिले के अलावा अन्य जिलों के लिए प्रतिबंधित कर दिया है। ऐसे में यह माना जा सकता है कि काफी हद तक खाद की कालाबाजारी पर अंकुश लग सकता है।

खाद न मिलने से सड़क पर उतरे किसान खाद वितरण की सूचना पर गोदाम पहुंचे किसान खाद न मिलने से हुए आक्रोशित, नारेबाजी कर सतना-चित्रकूट रोड में सिविल लाइन स्थित गोदाम में किया आवागमन अवरुद्ध। एसडीएम की समझाइश के बाद माने किसान। जाम हटाया गया। किसानों का आरोप है कि मंगलवार को डीएपी एवं एपीएस खाद का स्टॉक विपणन संघ में उपलध हो जाने की जानकारी दिये जाने पर वे लोग सुबह से लाइन में आकर खड़े हो गये थे। किन्तु पहले की तरह वितरण केन्द्र प्रभारी द्वारा न तो टोकन दिये गये न ही खाद बांटी गयी। किसानों द्वारा आवश्यकता अनुसार जितनी डीएपी खाद मांगी जा रही थी, वितरणकर्ता उतनी मात्रा देने को तैयार ही नहीं थे। विपणन संघ के अधिकारियों के नकारात्मक रवैये के चलते किसान गुस्सा गये और उन्होंने नारेबाजी करते हुये चित्रकूट रोड पर चका जाम करने का प्रयास किया।

प्रशासन के ये हैं दावे जिला विपणन अधिकारी ने विज्ञप्ति में बताया कि सभी किसान भाइयों को सूचित किया जाता है कि विपणन संघ के भंडारण केंद्रों पर पर्याप्त मात्रा में यूरिया खाद उपलब्ध है। किसान बंधु निर्धारित केंद्रों से यूरिया खाद प्राप्त कर सकते हैं। डीएपी एवं एपीएस खाद अतिशीघ्र भंडारण केंद्रों पर उपलब्ध होने की संभावना है। इसके उपरांत किसान भाई इन खादों का वितरण संबंधित केंद्रों से प्राप्त कर सकेंगे। इस बीच, कृषक बंधु यूरिया खाद का वितरण विपणन संघ के भंडारण केंद्रों से प्राप्त कर सकते हैं।

निर्देश के बाद भी मारामारी अभी हाल ही में उर्वरक वितरण की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने कहा था कि एनपीके और डीएपी के कई रैक सतना जिले के लिए प्लान हो रहे हैं। सभी राजस्व अधिकारी मार्फेड के डबल लॉक सेंटर पर निगरानी रखें। ताकि किसानों को सुविधाजनक से टोकन अनुसार खाद्य की उपलब्धता हो सके। कलेक्टर के निर्देश के बाद भी खाद की व्यवस्था पर लगे जिम्मेदारों ने व्यवस्था को लकवाग्रस्त कर दिया है।

अनाधिकृत रूप से गेहूं का बीज का भंडारण एवं विक्रय पाए जाने पर बीज को जब्त कर एफआईआर करने की कार्यवाही की जाएगी

अनाधिकृत रूप से भंडारण की संदिग्धता के आधार पर भंडारण स्थल को सील बंद किया गया

धीरज कुमार अहीरवाल | सिटी चीफ

दमोह, कलेक्टर दमोह सुधीर कोचर द्वारा दिए गये निर्देशों के तहत कृषि विभाग, राजस्व विभाग, पुलिस विभाग के अधिकारियों द्वारा संयुक्त रूप से जिले के खाद बीज भंडार और दुकानों का निरीक्षण किया जा रहा हैं। इसी क्रम में आज पथरिया की खाद बीज दुकानों का औचक निरीक्षण कर छापामार कार्यवाही की गई। इस दौरान पथरिया की खाद बीज दुकानों, राकेश कुमार जैन व्यापारी रजवांस, शिवशक्ति कृषि सेवा केंद्र रजवांस, राघवेंद्र सिंह सेल्स मेंन जेरठ समिति ,सेफी खाद भंडार, डबल लॉक केंद्र, पार्श्व खाद एजेंसी तहसील रोड पथरिया का औचक निरीक्षण किया गया।

कार्यवाही के दौरान राकेश कुमार जैन व्यापारी रजवांस द्वारा अनाधिकृत रूप से गेहूं का बीज का भंडारण एवं विक्रय पाए जाने पर बीज को जब्त किया गया एवं वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी पथरिया को एफआईआर (स्त्रद्धक्र) दर्ज कराने कहा गया। शिवशक्ति कृषि सेवा केंद्र रजवांस की दुकान बंद पाए जाने एवं राघवेंद्र सिंह सेल्स मेंन जेरठ समिति द्वारा रजवांस में उर्वरक का अनाधिकृत रूप से भंडारण की संदिग्धता के आधार पर भंडारण स्थल को सील बंद किया गया।निरीक्षण कृषि विभाग के अनुविभागीय कृषि अधिकारी एस.एल. कुर्मी, सहायक संचालक कृषि जे.एल. प्रजापति, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी उमाशंकर प्रजापति, नायब तहसीलदार सुश्री दीप माला, सहायक उप निरीक्षक पुलिस इन्द्राज सिंह ठाकुर के साथ अन्य पुलिस बल एवं कृषि विस्तार अधिकारी सुरेश कुमार विरला द्वारा छापामार कार्यवाही की गई।खाद बीज विक्रेताओ द्वारा की गई अनियमितताओं के संबंध में बीज अधिनियम 1966 एवं बीज(नियंत्रण)आदेश 1983 तथा उर्वरक नियंत्रण आदेश 1985 के प्रावधानों के तहत नोटिस जारी कर कार्यवाही की जाएगी।

कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने आमखेड़ा, हिण्डोरिया, कुड़ई और कुण्डलपुर विद्यालयों तथा पटेरा सोयाबीन उपार्जन केन्द्र का किया औचक निरीक्षण

रविवार को भी कक्षाएं संचालित की जायेगी

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ

दमोह, शासकीय हाईस्कूल आमखेड़ा, राजेन्द्र पाठक मेमोरियल इंग्लिश मीडियम स्कूल हिण्डोरिया, शासकीय प्राथमिक शाला कुड़ई, शासकीय माध्यमिक शाला कुण्डलपुर का कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने आकस्मिक निरीक्षण किया। उन्होंने कहा नेशनल अचीवमेंट सर्वे की 04 दिसम्बर को परीक्षा आयोजित की जाएगी, इसमें शासकीय-अशासकीय स्कूल दोनों शामिल हैं। कलेक्टर श्री कोचर ने कहा विद्यार्थियों का स्तर क्या हैं और जो टेस्ट पेपर्स है, उनके आधार पर विद्यार्थियों से प्रश्न पूछे, उनका विश्लेषण देखा और आवश्यक निर्देश दिए कि कैसे और बेहतर किया जाए। कलेक्टर ने कहा रविवार को भी इसकी कक्षाएं संचालित की जायेगी। कलेक्टर कोचर ने कहा जो स्कूल इसके लिये चयनित हुये हैं उनमे पूरे समय केवल और केवल नैस की पढ़ाई होगी जिसमें गणित, सामाजिक विज्ञान, विज्ञान, हिंदी और अंग्रेजी की पढ़ाई कराई जाएगी। इसके लिये प्राचार्य और शिक्षक सब रात दिन जुटे हैं। उन्होंने कहा पूरा विश्वास हैं कि हम बेहतर परिणाम दे पाएंगे। आज कलेक्टर श्री कोचर आकस्मिक रूप से आमखेड़ा, हिण्डोरिया, कुड़ई और कुण्डलपुर विद्यालयों तथा पटेरा खरीदी केन्द्र का जायजा लिया। शासकीय हाईस्कूल आमखेडा शाला अंतर्गत कक्षा 09 चयनित है, निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री कोचर के द्वारा विद्यार्थियों से चर्चा। साथ ही मॉक टेस्ट के परीक्षा परिणाम एवं परिणाम विश्लेषण के आधार पर शिक्षकों से जानकारी ली। इसी क्रम में कलेक्टर कोचर ने राजेन्द्र पाठक मेमोरियल इंग्लिश मीडियम स्कूल, हिण्डोरिया में विद्यार्थियों को मॉक टेस्ट 01 एवं 02 टेस्ट के परिणाम को देखा। निरीक्षण के दौरान कक्षा 9 में अध्यापन कार्य करने वाले विद्यार्थियों की स्थिति कमजोर पाए जाने पर कलेक्टर श्री कोचर के द्वारा शाला प्राचार्य एवं कक्षा शिक्षक के द्वारा किये गये शैक्षणिक कार्य पर अप्रसन्नता व्यक्त करते हुए शैक्षणिक कार्य में प्रगति लाने आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। विकासखंड पटेरा के शासकीय प्राथमिक शाला कुड़ई का निरीक्षण किया गया, इसमें कक्षा 03 चयनित हैं। निरीक्षण के दौरान बरसात के समय पानी भर जाने की शिकायत के संबंध में कलेक्टर कोचर ने संबंधित इंजिनियर को निर्देश देते हुए कहा शाला में पानी न भरे, इसके लिए स्टीमेट प्रस्तुत किया जाये। इसी प्रकार कलेक्टर कोचर ने शासकीय माध्यमिक शाला कुण्डलपुर का निरीक्षण के दौरान विद्यार्थियों की स्थिति विषय गणित में कमजोर पाई। उन्होंने शाला प्रधानाध्यापक एवं पदस्थ शिक्षकों से कहा कि विद्यार्थियों को लगातार गणित विषय की तैयारी कराई जाये, ताकि विद्यार्थी अच्छा प्रदर्शन कर सकें। सोयाबीन उपार्जन केन्द्र का कलेक्टर ने किया निरीक्षण कलेक्टर कोचर ने अपने भ्रमण के दौरान पटेरा में सोयाबीन उपार्जन केंद्र का भी निरीक्षण किया, यहाँ पर किसानों से चर्चा की। उपार्जन केन्द्र पर सोयाबीन की जो खरीदी हो रही है उसकी नमी का भी विश्लेषण किया और वहाँ किसानों के भुगतान की स्थिति की भी समीक्षा की। कलेक्टर कोचर ने कहा उपार्जन केन्द्र पर कुछ तकनीकी त्रुटि के कारण भुगतान में समस्या आ रही है, इसको 02 दिन के अंदर निराकृत करने अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा आज दिन भर के भ्रमण में कुछ चीजें सामने आई है और लगातार इस तरीके के भ्रमण क्षेत्र में जारी रहेंगे।

भय : जंगली जानवरों से जान का जोखिम, छठवें दिन जारी धरना

मोहम्मद मुनीर । सिटी चीफ

शहडोल, ब्यौहारी के अखेटपुर गांव में ग्रामीणों का धरना प्रदर्शन छठवें दिन भी जारी है, ग्रामीणों की मांग है कि जंगली जानवरों से गांव के लोगो की जान माल की सुरक्षा की जाए। पिछले 5 सालों में बाघ के हमले से अखेटपुर गांव में पांच लोगों की मौत हो चुकी है अब जंगली हाथियों के उत्पादत से लोग परेशान है। बीते कुछ दिनों से 20 जंगली हाथियों का झुंड गांव में पहुंचकर खेतों में लगी खड़ी फसल को नुकसान पहुंचा रहा है, एवं घरों में भी तोड़फोड़ जंगली हाथी कर रहे हैं। जिससे लोग परेशान हैं,लोगों ने पूर्व में वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात कर इसकी शिकायत की लेकिन अब तक कोई कार्यवाही नहीं हुई। जिसको लेकर ग्रामीणों ने हल्ला बोल प्रदर्शन कर धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया जो छठवें दिन भी जारी है।

ग्रामीणों की है यह प्रमुख मांग..ग्रामीणों की दहशत जंगली जानवरो से सुरक्षा को लेकर जायज़ भी है इस संबंध में जब जिला पंचायत सदस्य पुष्पेंद्र पटेल से बात की गई तो उन्होंने बताया की हमारी मांग है की संजय गांधी राष्ट्रीय पार्क से सटे ब्यौहारी के गांव बोचरो, आखेटपुर, कोना, खड्डा, कोइलारी तक वन विभाग एवं टाइगर रिजर्व द्वारा तार फेंसिंग की जाए। जिससे गांव में जंगली जानवरों का मूवमेंट कम हो सके। और दूसरी मांग बोचरो से आखेटपुर तक सड़क निर्माण किया जाए अभी गांव के लोगो को इस मार्ग से रात में गुजरना एक बडी चुनौती है। और जंगली जानवरों का आना-जाना इस मार्ग में बना रहता है, लोग पैदल इस मार्ग से रात में गुजरते हैं तो वह दुर्घटना के शिकार हो जाते हैं। आखेटपुर में संजय गांधी राष्ट्रीय पार्क जाने के लिए पर्यटकों के लिए गेट बनाया जाए, चुहिरा नागाड़ोल में विधुतीकरण किया जाए, संजय गांधी राष्ट्रीय पार्क से बांधवगढ़ राष्ट्रीय पार्क तक जानवरों के लिए कॉरिडोर बनाया जाए। जिससे गांव के अंदर जंगली जानवरों का आना-जाना बंद हो जाए। गौरतलब होकि पिछले कुछ दिनों से लगातार यहां 20 जंगली हाथियों का झुंड घूम रहा है, जिससे ग्रामीणों को काफी परेशानी हो रही है, ग्रामीण इलाके के खेतों में लगी खड़ी फसलों को हाथियों ने नुकसान पहुंचा और घरों में तोड़फोड़ की है। बेबस ग्रामीणों ने जब वन विभाग के अधिकारियों से बात की तो उन्होंने केवल आश्वासन दिया और कार्रवाई नहीं की जिसको लेकर हम यह धरना प्रदर्शन कर रहे हैं।

इनका कहना है ।

धरने में बैठे लोगों से मैं स्वयं वन विभाग के अधिकारी एवं थाना प्रभारी के साथ मौके पर पहुंच लोगों से बातचीत की है। लोगों की जो मांग है वह हमने वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को बता दी है, आज बुधवार को संजय गांधी टाइगर रिजर्व के अधिकारी धरने में बैठे लोगों से बात की है वरिष्ठ अधिकारियो के दिशानिर्देशन में उचित कार्यवाही की जायगी ।

नरेंद्र सिंह धुर्वे, एसडीएम अनुभाग ब्यौहारी, शहडोल

बाल विवाह मुक्त भारत एवं हम होंगे कामयाब एक दिन पखवाडा, अभियान का हुआ शुभारंभ

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ दमोह, बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के शुभारम्भ एवं हम होंगे कामयाब एक दिन पखवाडा के अवसर पर शासकीय कन्या शाला उच्चतर माध्यमिक विद्यालय दमोह में जिला स्तरीय जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह आयोजन महिला एवं बाल विकास विभाग दमोह के द्वारा संकल्प समाज सेवी संस्था एवं ममता एचआईएमसी संस्था के सहयोग से किया गया। दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती पूजन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। पल्लवी और प्राची ठाकुर ने सरस्वती वंदना एवं स्वागत गीत प्रस्तुत कर किया। पीएम श्री कॉलेज से दिशा पटेल ने बाल विवाह पर अपना उद्बोधन दिया। इस अवसर पर अंकिता आहूजा ने कानून के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए बताया की बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 के अनुसार 18 वर्ष से पहले बालिका की एवं 21 वर्ष से पहले बालक की शादी करना कानूनन अपराध हैं, इसके तहत इस शादी में शामिल प्रत्येक वह व्यक्ति जो सेवाएं या सहयोग दे रहे हैं, अपराधी है, जिसमे 2 वर्ष तक की कठोर कारावास एवं 1 लाख तक का जुर्माना का प्रावधान हैं। इस अवसर पर मनीष सोनी ने बालिकाओं की शासन एवं प्रशासन में बढती भूमिका एवं उपलब्धियां और उनके कार्यों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। राजीव अयाची ने बाल विवाह रोकने पर अपने विचार विस्तार से रखें। स्वागत भाषण एवं आयोजन का प्रयोजन जिला समन्वयक देवेंद्र दुबे ने प्रस्तुत किया गया। जिला समन्वयक वीरेंद्र जैन द्वारा बाल विवाह पर जिले में एनएफएचएस 5 के अनुसार स्तिथि पर प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम के अंत में बाल विवाह मुक्त भारत, बाल विवाह मुक्त मध्यप्रदेश, बाल विवाह मुक्त दमोह बनाने हेतु बाल विवाह के खिलाफ समस्त प्रतिभागियों द्वारा शपथ ग्रहण की गई। साथ ही छात्रों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास विभाग सहायक संचालक संजीव मिश्रा, विधिक सेवा प्राधिकरण के जिला विधिक सहायता अधिकारी रजनीश चौरसिया, संकल्प समाजसेवी संस्था के जिला समन्वयक देवेंद्र दुबे, राजीव अयाची, मनीष सोनी, अंकित आहूजा, प्राचार्य नरेश अहिरवार, बाल संरक्षण अधिकारी अनंतराम, वीरेंद्र जैन, शरद मिश्रा, विष्णु शर्मा, विपिन तिवारी, एच एल अहिरवाल, रीना चौरसिया, नीलू जैन, रामरतन विश्वकर्मा, वीरेंद्र दुबे एवं पुलिस विभाग के अधिकारी मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन विपिन चौबे और आभार समाज सेवी सुजात

आरक्षक से हुई लूटपाट एवं मारपीट, आरोपी गिरफ्त से बाहर

चार जिलों में मारा छापा पुलिस के हाँथ ख़ाली, इनाम घोषित

मोहम्मद मुनीर । सिटी चीफ

शहडोल। अमलाई थाना क्षेत्र में बीते दिनो यातायात आरक्षक के साथ लूटपाट कर मारपीट करने वाले तीन आरोपियों की अब तक गिरफ्तारी नहीं हो पाई है। घटना में चार आरोपी शामिल थे, जिस पर पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया था। पकड़े गए आरोपी के कब्जे से आरक्षक से लूटा हुआ दो मोबाइल फ़ोन पुलिस ने बरामद कर लिया था, एवं वायरलेस सेट जिस तालाब में आरोपी ने फेंकना बताया था, उस तालाब में दो दिन तलाश के बाद भी पुलिस को वायरलेस सेट बरामद नहीं हो पाया। फरार तीन आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए 40 हजार का इनाम घोषित कर दिया गया है।

जानकारी बताओ इनाम पाओ... फरार तीन आरोपियों पर इनाम की घोषणा हो गई है आई जी अनुराग शर्मा एवं पुलिस कप्तान ने आरक्षक के साथ लूटपाट कर मारपीट करने वाले फरार तीन आरोपियों पर 40 हजार का इनाम घोषित किया है। अधिकारियों ने कहा कि फरार आरोपियों का पता एवं आरोपियों को पकड़ने वाले व्यक्ति को यह इनाम दिया जाएगा।

चार जिलों में पुलिस ने मारा छापा इस मामले में घटना दिनांक से ही लगातार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम छापा मार कार्यवाही कर रही है, अब तक पुलिस ने कटनी, अनूपपुर, शहडोल, उमरिया चारों जिलों में छापा मार कार्यवाही की है। दो विशेष टीमों का गठन पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर किया गया है जो फरार तीनों आरोपियों की तलाश कर रही है।

नहीं मिला वायरलेस सेट यातायात आरक्षक से लूटा हुआ वायरलेस सेट, पकड़े गए आरोपी ने समीप के तालाब में फेंकना हुआ बताया था, जिसके बाद पुलिस टीम तालाब में एसडीआरएफ टीम के साथ पहुंची और दो दिनों तक सर्चिंग करने के बाद भी वह वायरलेस सेट पुलिस को बरामद नहीं हुआ।

इनका कहना है

एसडीआरएफ टीम दो दिनों तक यहां सर्चिंग करती रही , लेकिन पानी अधिक होने की वजह से वायरलेस सेट नहीं मिल पाया है।पानी कम होते ही दोबारा तलाश की जाएगी।

जेपी शर्मा, थाना प्रभारी थाना अमलाई, शहडोल।

बाल विवाह मुक्त भारत अभियान को लेकर हुए विभिन्न आयोजन, जगह-जगह दिलाई गई शपथ

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ

शाजापुर, बाल विवाह मानव अधिकारों के उल्लंघन के साथ ही निधारित विकसित भारत के उद्देश्य को प्राप्त करने में एक बड़ी बाधा है, इस हेतु केंद्रीय मंत्रालय महिला और बाल विकास द्वारा 27 नवंबर 2024 को विज्ञान भवन नई दिल्ली में बाल विवाह मुक्त भारत अभियान का शुभारंभ किया गय, ताकि संपूर्ण समाज के दृष्टिकोण से बाल विवाह को समाप्त करने के मुद्दे पर जागरूकता बढ़ाई जा सके। इसी तारतम्य में जिला शाजापुर पुलिस अधीक्षक कार्यालय एवं समस्त थानों में बाल विवाह मुक्त बनाए जाने की शपथ दिलाकर अभियान की शुरूआत की गई। समस्त थाना क्षेत्रों में पुलिस टीम द्वारा स्कूल, सार्वजनिक स्थानों पर

जाकर प्रदेश को बाल विवाह मुक्त बनाने की शपथ दिलाकर आमजनों को जागरुक किया गया।**यहां भी दिलाई शपथ** विदिशा सोशल वेलफेयर ऑर्गेनाइजेशन ने सरकार के बाल विवाह मुक्त भारत अभियान का समर्थन किया। इस दौरान प्रशासन ने विदिशा सोशल वेलफेयर ऑर्गेनाइजेशन के साथ मिलकर बाल विवाह के खिलाफ रैलियां, कलश यात्रा और शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया। समारोह में शिवम् यादव एवं महिला एवं बाल विकास अधिकारी नीलम चौहान ने जिले को बाल विवाह मुक्त बनाने का संकल्प लिया। टंकी चौराहा स्थित सांई मंदिर गार्डन में आयोजित समारोह में ग्रामीणों, ग्राम प्रधानों, बाल विवाह संरक्षण अधिकारी, आशा कार्यकर्ताओं, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, शिक्षकों और महिलाओं को बाल विवाह की रोकथाम हेतु शपथ दिलाकर कलश यात्रा निकाली गई। इस मौके पर विदिशा सोशल वेलफेयर ऑर्गेनाइजेशन के डायरेक्टर राम रघुवंशी ने कहा कि हम जिले में सरकारी अधिकारियों और स्थानीय प्रमुखों के साथ मिलकर बाल विवाह के बारे में जागरूकता पैदा करने, ऐसे किसी भी विवाह को रोकने के लिए काम कर रहे हैं, सरकार का यह अभियान इस लड़ाई में नई ऊर्जा और समर्थन देगा। उन्होने कहा कि भारत ने दुनिया को दिखा दिया है कि वह अब बाल विवाह के अपराध के सामने चुप नहीं बैठेगा और हर बच्चे के लिए एक सही बचपन सुनिश्चित करने के लिए अपनी क्षमता के अनुसार सब कुछ करेगा।

सुसाइड मिस्ट्री: पिता की हुई हत्या, 14 माह के बाद कर ली खुदखुशी

पुत्री ने क्यों लगाई फांसी, जाँच में जुटी पुलिस

मोहम्मद मुनीर । सिटी चीफ

शहडोल, पिता की हत्या के 14 माह बाद पुत्री ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। 14 माह पहले उधिया निवासी प्रभु चौधरी की उसकी पत्नी ने गला घोट कर हत्या कर दी थी , जिसके बाद से ही मृतक प्रभु चौधरी की 19 वर्षीय पुत्री मानसी चौधरी सदमे में थी, क्योंकि पिता की हत्या हो गई थीं, और मां जेल में थी। मामला जिले के सिंहपुर थाना क्षेत्र के उधिया गांव का है। जिले के सिंहपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम उधिया निवासी 19 वर्षीय मानसी चौधरी पिता स्व. परभू चौधरी का शव घर में फांसी के फंदे पर संदिग्ध हालातों में पाया गया। पुलिस का कहना है कि युवती ने आत्महत्या की है। पुलिस की माने तो मानसी ने खुदकुशी की है, क्योंकि पिता की हत्या के बाद वह गुमसुम सी रहने लगी थी। क्यों की पिता की हत्या उसकी मां ने ही की थी, जिसकी वजह से मा जेल में हत्या के मामले में बंद थी। मामले में मिली जानकारी के मुताबिक बीती रात मानसी खाना खाने के बाद आपने कमरे में सोने चली गई थी। सुबह नहीं उठने पर छोटी बहन ने देखा कि दरवाजा नहीं खुल है। जब दरवाजा हिलाकर खोला तो खुल गया, अंदर बड़ी बहन को फांसी पर लटका देख छोटी बहन हैरान रह गई और चीख पुकार मचाने लगी, जिसे सुन उसका भाई एवं आसपास मौजूद लोग मौके पर पहुंचे और मामले की जानकारी पुलिस को दी गई।सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और पंचनामा के बाद शव के पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजा गया थाना प्रभारी आर पी रावत ने बताया की मामले में मर्ग कायम कर विवेचना की जा रही है। मानसी के पिता की हत्या 14 माह पहले हुई थी। हत्या के आरोप में पुलिस ने मृतक की पत्नी को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। वह कुछ माह पहले ही जमानत पर रिहा हुई है। पुलिस कई पहलुओं में जांच कर रही है।

जीतू पटवारी पर कार्रवाई की मांग को लेकर सौंपा ज्ञापन

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ

शाजापुर। मशाल यात्रा के दौरान कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष द्वारा मुख्यमंत्री के रिश्तेदार के प्रतिष्ठान को टपरा बोले जाने पर यादव समाज द्वारा प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपा गया। बुधवार को समाज के लोगों ने बड़ा चौक में जीतू पटवारी मुर्दाबाद के नारे लगाते हुए थाना प्रभारी संतोष वाघेला को ज्ञापन सौंपा। समाजजनों का आरोप था कि मंगलवार शाम को शाजापुर में कांग्रेस ने मशाल यात्रा निकाली। इस दौरान कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने यादव समाज के प्रतिष्ठान को टपरा बोलकर पारिवारिक भावनाओं को आहत किया। ज्ञापन में मांग की गई कि जीतू पटवारी समाज के लोगों से माफी मांगे अन्यथा उनके खिलाफ कार्रवाई को लेकर आंदोलन किया जाएगा।

जावद बैंगनपुरा स्थित अतिप्राचिन श्री लक्ष्मीनारायण भगवान का आकर्षण श्रृंगार मंदिर पुजारी गोपालदास बैरागी ने किया, अध्यक्ष नारायण सोमानी ने किए भगवान के दर्शन

जावद । अध्यात्मिक नगरी जावद में धार्मिक, सामाजिक क्षेत्र में अग्रणी रहने वाला वार्ड नम्बर दो बैंगनपुरा निवासी हिंदूवादी नेता एवं प्रेस क्लब अध्यक्ष नारायण सोमानी ने बताया है कि सोमानी परिवार के जुगल सोमानी, रमा सोमानी, आदित्य सोमानी, अदिति सोमानी के नवीन गृह प्रवेश के उपलक्ष्य पर बैंगनपुरा में नगर का अतिप्राचिन श्री लक्ष्मीनारायण मंदिर पर मंदिर पुजारी श्री गोपालदास बैरागी ने आकर्षण श्रृंगार किया। मंदिर पुजारी श्री गोपालदास बैरागी ने प्रातः भगवान श्री लक्ष्मीनारायण भगवान का अभिषेक करके आकर्षण श्रृंगार किया तत्पश्चात महाआरती करके प्रसाद वितरित किया। इस मौके पर हिंदूवादी नेता नारायण सोमानी परिवारजन, बैंगनपुरा के रहवासी, भक्तजन मौजूद थे।

देवी भागवत कथा के आठवें दिन महागौरी शक्ति की पूजा की जाती है, नाम से प्रकट है कि इनका रूप पूर्णतः गौर वर्ण है, - पं. श्रीहरि जी महाराज

दमोह। स्थानीय शिव शनि हनुमान मंदिर एस.पी.एम. नगर में 20 नवम्बर 2024 से 28 नवम्बर 2024 तक नव दिवसीय श्रीमद् देवी भागवत कथा पुराण एवं गौतम परिवार द्वारा आयोजित इस आयोजन में हिमाचल प्रदेश के प्रसिद्ध कथा वाचक श्री हरि जी महाराज के मुखारविंद से कथा की जा रही हैं। हिमाचल प्रदेश के प्रसिद्ध कथा वाचक श्री हरि जी महाराज के मुखारविंद से कथा की जा रही हैं। नव दिवसीय श्रीमद् देवी भागवत कथा में बताया कि मां दुर्गा के आठवें दिन आठवें स्वरूप आदि शक्ति महागौरी की पूजा की जाती है। आठवें दिन की पूजा देवी के मूल भाव को दर्शाता है, देवीभागवत् पुराण में बताया गया है कि देवी मां के 9 रूप और 10 महाविघाएं सभी आदिशक्ति के अंश और स्वरूप हैं लेकिन भगवान शिव के साथ उनके अर्धांगिनी के रूप में महागौरी सदैव विराजमान रहती हैं। इनकी शक्ति अमोघ और सद्यः फलदायिनी है। महागौरी की पूजा मात्र से भक्तों के सभी पाप धुल जाते हैं और वह व्यक्ति अक्षय पुण्य का अधिकारी हो जाता है। ज्यादातर घरों में नवरात्र की अष्टमी तिथि के दिन कन्या पूजन किया जाता है वहीं कुछ लोग नवमी तिथि के दिन कन्या पूजन करते हैं। शिवपुराण के अनुसार, महागौरी को आठ साल की

उम्र में ही अपने पूर्व जन्म की घटनाओं का आभास होने लग गया था। उन्होंने इसी उम्र से ही भगवान शिव को अपना पति मान लिया था और शिव को पति रूप में पाने के लिए तपस्या भी शुरू कर दी थी। इसलिए अष्टमी तिथि को महागौरी के पूजन का विधान है। इस दिन दुर्गा सप्तशती के मध्यम चरित्र का पाठ करना विशेष फलदायी होता है। जो लोग 9 दिन का व्रत नहीं रख पाते हैं, वे पहले और आठवें दिन का व्रत कर पूरे 9 दिन का फल प्राप्त करते हैं। एक शक्तिपीठ कांगड़ा देवी के बारे में ये बातें, जानकर रह जाएंगे दंग महागौरी की कथा देवीभागवत पुराण के अनुसार, देवी पार्वती अपनी तपस्या के दौरान केवल कंदमूल फल और पत्तों का आहार करती थीं। बाद में माता केवल वायु पीकर ही तप करना आरंभ कर दिया था। तपस्या से माता पार्वती को महान गौरव प्राप्त हुआ है और इससे उनका नाम महागौरी पड़ा। माता की तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने उनको गंगा में स्नान करने के लिए कहा। जिस समय माता पार्वती गंगा में स्नान करने गईं, तब देवी का एक स्वरूप श्याम वर्ण के साथ प्रकट हुईं, जो कौशिकी कहलाईं और एक स्वरूप उज्जवल चंद्र के समान प्रकट हुआ, जो महागौरी कहलाईं। मां गौरी अपने हर भक्त का कल्याण करती हैं और उनको सभी समस्याओं से मुक्ति दिलाती हैं। ऐसा है मां का स्वरूप देवीभागवत पुराण के अनुसार, महागौरी का वर्ण रूप से गौर अर्थात सफेद हैं और इनके वस्त्र व आभूषण भी सफेद रंग के ही हैं। मां का वाहन वृषभ अर्थात बैल है, जो भगवान शिव का भी वाहन है। मां का दाहिना हाथ अभयमुद्रा में है और नीचे वाले हाथ में दुर्गा शक्ति का प्रतीक त्रिशुल है। महागौरी के ऊपर वाले हाथ में शिव का प्रतिक डमरू है। डमरू धारण करने के कारण मां को शिवा के नाम से भी जाना जाता है। मां का नीचे वाला हाथ अपने भक्तों को अभय देता हुआ वरमुद्रा में हैं और मां शांत मुद्रा में दृष्टिगत है। सर्वमंगल मंगल्ये, शिवे सर्वार्थ साधिके। शरण्ये त्र्यम्बके गौरि नारायणि नमोस्तुते।। अष्टमी तिथि पर महागौरी की पूजा का विधान भी बाकी दिनों की तरह ही होता है। जिस तरह सप्तमी तिथि को माता की पूजा की जाती है, उसी तरह अष्टमी तिथि को भी शास्त्रीय विधि से पूजा की जाती है। इस दिन माता के कल्याणकारी मंत्र ओम देवी महागौर्यै नमः का जप करना चाहिए और मां को लाल चुनरी चढ़ानी चाहिए, सबसे पहले लकड़ी की चौकी पर लाल कपड़ा बिछाकर महागौरी की मूर्ति या तस्वीर स्थापित करने के बाद महागौरी यंत्र रखकर स्थापना करनी चाहिए। आज की कथा मैं मध्य प्रदेश शासन के पूर्व मंत्री विधायक जयंत मलैया, पूर्व विधायक अजय टंडन,कलेक्टर सुधीर कोचर, एस डी एम आर एल वागरी ने भी कथा में पहुँचकर भाग लिया। आज कथा का समय दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक श्रीमद् देवी भागवत कथा का आयोजन किया जाएगा। तत्पश्चात शाम 5 बजे आरती एवं प्रसाद वितरण किया जावेगा। शहर में पहली बार श्रीमद् देवी भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है सभी धर्म प्रेमी बंधुओ से इस अवसर पर गौतम परिवार ने सभी से अधिक से अधिक संख्या में पधारकर धर्म लाभ ले।

जिले को बाल विवाह मुक्त बनाने, महिला एवं बाल विकास विभाग और संकल्प समाजसेवी संस्था की कार्यशाला हुई आयोजित

दमोह। महिला एवं बाल विकास विभाग और संकल्प समाज सेवी संस्था द्वारा मिशन शक्ति एवं बाल विवाह मुक्त भारत की एक कार्यशाला का आयोजन स्थानीय जे पी वी कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के परिसर में किया गया। दरअसल संकल्प समाज सेवी संस्था लगातार बाल विवाह मुक्त जिला बनाने प्रयासरत है और इसी के तरह लगातार कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे है पर अब सरकार ने इस कार्यक्रम को अपने हाथों में लिया है आज से देश और प्रदेश के साथ दमोह जिले को बाल विवाह मुक्त बनाने के लिए महिला एवं बाल विकास विभाग के साथ यह संस्था कार्य करेगी। इसी क्रम में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में अतिथि के रूप में महिला एवं बाल विकास विभाग के सहायक संचालक संजीव मिश्रा,विधिक सेवा प्राधिकरण के जिला विधिक अधिकारी रजनीश चौरसिया, संकल्प समाजसेवी संस्था के जिला समन्वयक देवेंद्र दुबे एवं अतिथि वक्ता के रूप में वरिष्ठ रंग कर्मी राजीव अयाची, फिल्मकार मनीष सोनी,एडवोकेट अंकित आहूजा, की गरिमामय उपस्थित रही। दीप प्रजनन एवं सरस्वती पूजन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ, पल्लवी और प्राची ठाकुर ने सरस्वती वंदना एवं स्वागत गीत प्रस्तुत कर किया, पीएम श्री कॉलेज से दिशा पटेल ने बाल विवाह पर अपना उद्बोधन दिया इस अवसर पर अतिथि वक्ता अंकित आहूजा ने कानून के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला वही फिल्मकार मनीष सोनी ने संस्था संकल्प समाजसेवी संस्थान की उपलब्धियां और उनके कार्यों के बारे में विस्तार से जानकारी दी, रंगकर्मी राजीव अयाची ने बाल विवाह रोकने ओजस्वी भाषण दिया, स्वागत भाषण एवं आयोजन का प्रयोजन जिला समन्वयक देवेंद्र दुबे ने प्रस्तुत किया, महिला एवं बाल विकास विभाग के सहायक संचालक संजीव मिश्रा ने अपनी बात यहां से राखी कार्यक्रम के अंत में बच्चों को यहां से सम्मानित किया गया, यहां शाला के प्रभारी प्राचार्य नरेश अहिरवार, बाल संरक्षण अधिकारी अनंत राम जी, यूनिसेफ कार्यक्रम के समन्वयक वीरेंद्र जैन, एनसीसी ऑफिसर लेफ्टिनेंट शरद मिश्रा, विष्णु शर्मा, विपिन तिवारी, एच एल अहीरवाल, रीना चौरसिया, नीलू जैन, रामरतन विश्वकर्मा, वीरेंद्र दुबे उपस्थित रहे कार्यक्रम का संचालन शासकीय उद्बोषक विपिन चौबे ने किया और आभार समाज सेवी सुजात खान ने माना।

पेट्रोल पंप की स्वीकृति निरस्त कराने रच रहे साजिश

गैसाबाद थाना प्रभारी पर भी कर चुके हैं हमला
तीसरी पार्टी को मिल सके फायदा

दमोह- हटा ब्लाक के अंतर्गत गैसाबाद गांव में स्वीकृत हुए पेट्रोल पंप को निरस्त कराए जाने की अनेक साजिशे चल रही हैं। कोर्ट से लेकर पुलिस तक घेरने के लिए अनेक हथकंडे अपनाए जा रहे हैं, ताकि स्वीकृत अभ्यर्थी की जगह तीसरे आवेदक को फायदा मिल सके। इस पूरे मामले में तीसरा आवेदक जो पर्दे के पीछे काम कर रहा है, उसमें मुख्य नाम देवेंद्र चौरसिया के पुत्र सोमेश चौरसिया का सामने आ रहा है। उसका प्रमुख कारण यह है कि इन सब शिकवे शिकायतों के बाद यदि किसी को फायदा होगा तो वह सीधे सोमेश चौरसिया को पहुंचेगा। भले ही पर्दे के पीछे तीसरा आवेदक सोमेश चौरसिया हो, लेकिन मुख्य रूप से सामने गैसाबाद का घंसू प्रजापति है जो रूबी चौरसिया जिनका पेट्रोल पंप स्वीकृत हुआ है, उनका पड़ोसी हैँ। जो न्यायालय से लेकर राजस्व न्यायालय तक गया। पेट्रोल पंप कंपनी तक पहुंचा। लेकिन हर जगह रूबी चौरसिया के पक्ष में फैसला गया तो खीज कर अब उल्टा चोर कोतवाल को डांटे की तर्ज पर अपने घर की महिलाओं को आगे कर गैसाबाद थाना पुलिस बल पर ही अनर्गल शिकायतें करा रहा है।

थाना प्रभारी को रोड पर पटका घंसू प्रजापति के पीछे इतना तगड़ा बैक सपोर्ट है कि उसके घर की महिलाएं इतनी दबंग है कि उन्होंने महिला थाना प्रभारी, महिला आरक्षक के साथ ही पुलिस के प्रधान आरक्षक को पीट दिया। अब उल्टे घंसू प्रजापति पुलिस पर अनर्गल आरोप लगा रहा है। इस सबके मुख्य उददेश्य यह है कि ऐन-केन प्रकारेण पेट्रोल पंप की स्वीकृति निरस्त कराई जाए।

पेट्रोल पंप निर्माण से जोड़ा पूरा मामला दरअसल यह पूरा मामला 2023 में चयन से जुड़ा हुआ है। जिसमें इंडियन ऑयल पेट्रोल पंप डीलर चयन में तीन प्रतिभागियों ने आवेदन किया था जिसमें 1. रूबी चौरसिया, 2. शुभम चौरसिया एवं 3. सोमेश चौरसिया प्रतिभागी के रूप में भाग लिया और 1. रूबी चौरसिया का पेट्रोल पंप डीलर चयन हो गया जो विवाद की वजह बताई जा रही है। इसके संबंध में दमोह कलेक्टर एवं दमोह पुलिस अधीक्षक को रूबी चौरसिया के पति श्रीकांत चौरसिया के द्वारा आवेदन दिया गया है, जिसमें प्रतिभागी रूबी चौरसिया एवं शुभम चौरसिया की किसी न किसी रूप से परेशान कर तीसरे प्रतिभागी को लाभ देने की मंशा से मामला षडयंत्र बताया है। उक्त मामले में रूबी चौरसिया के पति श्रीकांत चौरसिया ने बताया कि धांसू प्रजापति के द्वारा पेट्रोल पंप निर्माण होने वाली जगह पर सिविल दावा भी लगया गया जो माननीय न्यायलय प्रथम व्यवहार न्यायधीश कनिष्ठ खंड हटा जिला दमोह के पारित आदेश दिनांक 13 मई 2024 के तहत विवेचना के आधार पर प्रथम दृष्टया मामला सुविधा का संतुलन एवं अपूर्णनीय क्षति को सिद्ध करने में असफल रहा है। परिणामस्वरूप आवेदक का आवेदन अंतर्गत आदेश 39 नियम 1 व 2 सिविल प्रक्रिया संहिता 1908, (आई ए नंबर 1/24) दिनांकित 10/01/2024 अस्वीकार किया गया है। जिसके बाद पुनः माननीय न्यायलय प्रथम जिला न्यायधीश हटा जिला दमोह म0प्र0 के पारित आदेश दिनांक 05/08/2024 अपीलार्थी की ओर से प्रस्तुत आवेदन विचारोपरांत स्वीकार योग्य न पाते हुये निरस्त किया गया था। इसके बाद दिनांक 7 नवंबर 2024 को हटा तहसील में पुनः धांसू प्रजापति के द्वारा एक आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया था जिसमें बताया गया कि शुभम पिता नोनेलाल चौरसिया रूबी पति श्रीकांत चौरसिया दोनों निवासी गैसाबाद के द्वारा अनाधिकृत कब्जा करना मकान निर्माण किया गया है जिसकी शिकायत पर तथ्य सामने आया कि आवेदक की भूमि खसरा नंबर 417 पर मकान निर्माण करना नहीं किया जा रहा है।

राष्ट्रीय शैक्षिक सर्वेक्षण में प्रत्येक चयनित शाला,श्रेष्ठ प्रयासों के साथ सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करें-कलेक्टर गुप्ता

देवास- भारत सरकार के एनसीईआरटी द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर आगामी 4 दिसंबर को होने वाले परख राष्ट्रीय शैक्षिक सर्वेक्षण (ह्वस -2024) के विषय में देवास जिले में चयनित 105 शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों के संस्था प्रभारियों की एक दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यशाला डाइट देवास में आयोजित की गई। उन्मुखीकरण कार्यशाला के समापन सत्र को संबोधित करते हुए कलेक्टर ऋषव गुप्ता ने चयनित शालाओं के संस्था प्रभारियों से कहा कि वह अपने श्रेष्ठ प्रयासों के साथ उक्त सर्वेक्षण में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करें। जिससे जिले के साथ राष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश की रैंकिंग अच्छी रहें। इसके लिए राज्य व जिले से जारी विविध मॉक टेस्ट के माध्यम से बच्चों को बेहतर तैयारी करवाएं। कलेक्टर श्री गुप्ता ने कहा कि कक्षा 3, 6, 9 में होने वाले सर्वेक्षण में प्रथम स्थान पर रहने वाली शालाओं एवं बीआरसी /बीईओ को 50-50 हजार की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी। उन्मुखीकरण कार्यशाला में जिला परियोजना समन्वयक प्रदीप जैन, डाइट प्राचार्य डॉ राजेंद्र सक्सेना, डाइट व्याख्याता प्रशांत नामदेव ने सर्वेक्षण संबंधी जानकारी, सर्वेक्षण प्रक्रिया अंतर्गत -स्कूल प्रश्नोत्तरी शिक्षक प्रश्नोत्तरी तथा छात्र प्रश्नोत्तरी एवं अचीवमेंट टेस्ट बुकलेट तथा ओएमआर शीट आदि के विषय में जानकारी देने के साथ इनकी पूर्ति करने की प्रक्रिया बताई एवं सर्वेक्षण हेतु पूर्व तैयारी, मॉक टेस्ट प्रश्न पत्र आदि के साथ सर्वेक्षण हेतु नियुक्त होने वाले फील्ड इन्वेस्टिगेटर ऑब्जर्वर आदि की जानकारी प्रदान की। उन्मुखीकरण कार्यशाला उपरांत कलेक्टर गुप्ता ने डाइट देवास द्वारा मॉडल स्तर पर डाइट में प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले प्रशिक्षणार्थियों को सीखने-सिखाने की प्रक्रिया अंतर्गत निर्मित आदर्श लाइब्रेरी का फीता काटकर लोकार्पण किया। उन्मुखीकरण कार्यशाला एवं लाइब्रेरी लोकार्पण कार्यक्रम में डाइट व्याख्याता शैलेश राठौर, निपुण प्रोफेशनल शैफाली जोशी, एपीसी मुकेश निगम, बीआरसी किशोर वर्मा, कैलाश सिंह ठाकुर, सुनील कुमावत एवं सुनिल पटेल, आशीष परिहार सहित समस्त चयनित शालाओं के संस्था प्रभारी उपस्थित थे।

शासकीय हाई स्कूल कामठखेड़ा में साइकिल वितरण कार्यक्रम

बागली - क्षेत्रीय विधायक मुरली भंवरा के मुख्य आतिथ्य में एवं सरपंच तेजसिंह ओसारी की अध्यक्षता में शासकीय हाई स्कूल कामठखेड़ा के 41छात्र-छात्राओं को साइकिल वितरित की गई प्राचार्य लोकेंद्र परिहार द्वारा विधायक को साफा बाधंकर एवं पुष्पमाला पहनकर उनका आत्मिक सम्मान किया गया एवं अनुसूचित जनजाति मोर्चा के पूर्व जिला अध्यक्ष राम सिंह ओसारी द्वारा शाल श्रीफल भेंटकर नागरिक अभिनंदन किया गया विधायक ने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए ,कहा कि बच्चे परिश्रम से ना घबराए अगर चमकना है, तो सूरज की तरह जलना होगा अपने पैर के छाले नहीं अपने लक्ष्य की ओर देखना होगा उन्होंने हिंदी के श्रुत लेखन पर जोर देते हुए बड़ी एवं छोटी की मात्राओं मे किस तरीके से भेद करें बड़े ही आसान तरीके से छात्रों को समझाया कार्यक्रम में पधारे विशेष अतिथि सरस्वती शिशु मंदिर के पूर्व प्रधानाचार्य मुकेश दांगी, अभिभाषक गोविंद यादव, प्रकाशडाबी आदि ने संबोधित किया,इस अवसर पर संकुल प्राचार्य पं वासुदेव जोशी सरपंच राजु बामनिया मुकुंदगढ़ गोविंद बैरागी गुवाडी , योगेश तिवारी परसराम पिंडोरिया, सीमा कुलकर्णी मनीष डोडिया महेश कुर्रा आदि उपस्थित थे संचालन संस्था के शिक्षक देवकरण चौहान ने किया आभार शिक्षक ओम प्रकाश यादव ने माना ।

51 कुण्डीय गायत्री महायज्ञ के आगाज हेतु गायत्री परिवार के द्वारा शक्ति कलश पूजन अर्चन शोभा यात्रा निकाली गई।

कन्नौद - स्थानीय गायत्री परिवार के द्वारा जनवरी में आयोजित 51 कुण्डीय गायत्री महायज्ञ में देव शक्तियों के आव्हान एवं जनता जनार्दन के आगाज के उद्देश्य को लेकर आज नगर के प्रमुख मार्गों से सप्त ऋषियों की तपोभूमि गायत्री तीर्थ शांतिकुंज हरिद्वार से लाये गए दिव्य तीर्थ स्थलों की जल रज युक्त दिव्य शक्ति कलश काझ पूजन,अर्चन,वंदन शोभा यात्रा खेड़ापति हनुमान मंदिर तालाब मोहल्ला से प्रारम्भ होकर सरदार पटेल मार्ग,नगर पंचायत चौराहा , नगर के प्रमुख मार्ग से होते हुए दक्षिण मुखी जेल वाले हनुमान मंदिर पर आरती के साथ समापन किया गया। नागरिकों ने शक्ति कलश का पूजन अर्चन किया। बजरंग दल के स्वयं सेवकों एवं सभी धर्मालुओं ने पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। गायत्री शक्तिपीठ के संयोजक रामकरण यादव ने सभी धर्म प्रेमी जनता जनार्दन से आगामी भव्य आयोजन में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होने का आव्हान किया।

जिले में खेलो एमपी यूथ गेम्स का आयोजन 5 से 15 दिसंबर तक

आयोजन की तैयारियों के संबंध में कलेकटर श्री गुप्ता की अध्यक्षता में बैठक संपन्न

देवास- जिले में खेलो एम.पी.यूथ गेम्स 19 वर्ष से कम आयु के खिलाड़ियों के लिए 05 से 15 दिसम्बर 2024 के मध्य विकासखंड तथा जिला स्तर पर 19 खेलों की प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है। आयोजन के संबंध में आवश्यक तैयारियां के लिए कलेक्टर श्री ऋषव गुप्ता की अध्यक्षता में कलेक्टर कार्यालय सभाकक्ष में बैठक आयोजित हुई। बैठक में पुलिस अधीक्षक श्री पुनीत गेहलोद, नगर निगम कमिश्नर श्री रजनीश कसेरा, खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी श्री हेमंत सुवीर, मलखम खिलाड़ी श्री देवेंद्र पाटीदार, जिला शिक्षा अधिकारी सहित अन्य विभागों के अधिकारी एवं खेल प्रशिक्षक उपस्थित थे। बैठक में बताया गया कि जिले में 5 से 15 दिसंबर तक विकासखंड पर अंडर-19 खिलाड़ियों की 19 खेलों में प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी, जिसमें शासकीय और प्राइवेट स्कूलों के विद्यार्थी भाग लेंगे। कलेक्टर श्री ऋषव गुप्ता ने कहा कि हमें आयोजन के माध्यम से खेलों को प्रोत्साहित करना है। इन आयोजन के माध्यम से जिले के हर कोने से खिलाड़ियों का चयन करना है। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित करें कि प्रत्येक विकासखंड से प्रत्येक खेल के लिए कम से कम एक टीम जरूर आएं। ज्यादा से ज्यादा बच्चे खेलों में भाग लें। ब्लॉक लेवल पर खिलाड़ियों के चयन के लिए शेड्यूल बनाएं। ब्लॉक लेवल पर नोडल और सहायक नोडल अधिकारियों भी बनाएं, स्वास्थ्य विभाग डॉक्टरों की ड्यूटी लगाएं।

भारत के संविधान को मन वचन कर्म से आत्मसात करें,एडीजे बारपेटे

बागली- भारत का संविधान विश्व का सबसे बड़ा संविधान होकर जीवित दस्तावेज, संविधान है। भारत के संविधान को मन वचन कर्म से अंगीकार आत्मसात, चरितार्थ करें। उक्त विचार बागली न्यायालय परिसर में संविधान दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में प्रथम अपर एवं जिला सत्र न्यायाधीश श्री चंद्र किशोर बारपेटे ने व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि आज संविधान की प्रस्तावना का वाचन करने का दिन है ताकि संविधान के प्रति हमारी प्रतिबद्धता व्यक्त कर सके। एडीजे श्री बारपेटे ने सशक्त हस्ताक्षर एवं राष्ट्रकवि श्री रामधारी सिंह दिनकर की कविता कलम बड़ी या तलवार को प्रेरक कविता के रूप में अभिव्यक्त किया । उन्होंने कहा कि कलम की ताकत तलवार की ताकत से बहुत बड़ी है समसामयिक संदर्भ में उन्होंने श्री दिनकर जी की कविता को पढ़ते हुए कहा कलम उगलती अंगारे अक्षर बनते चिंगारी कलम देश की बड़ी शक्ति भाव जगाने वाली है।बारपेटे कहां की संविधान में अधिकार और कर्तव्य दोनों दिए है। दायित्व और कर्तव्यों का निर्वाह करेंगे तो अधिकार स्वतः प्राप्त हो जाएंगे। आयोजन को अभिभाषक संघ अध्यक्ष श्री महेंद्र पाटीदार न्यायाधीश श्रीमती वीणा अग्निहोत्री आयुषी मालवीय ,पूर्व अध्यक्ष मुकेश गुर्जर पूर्व अध्यक्ष संतोष यादव वरिष्ठ अधिवक्ता राजेंद्र ईनानी, सूर्य प्रकाश गुप्ताआदि ने संबोधित किया। संचालन वरिष्ठ अधिवक्ता प्रवीण चौधरी ने किया। संविधान की प्रस्तावना का वाचन न्यायाधीश काजल नायक ने किया और सभी ने समवेत स्वर मे इसे दोहराया। संचालन वरिष्ठ अधिवक्ता प्रवीण चौधरी ने किया संविधान दिवस के आयोजन का शुभारंभ डॉ भीमराव अंबेडकर जी के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित कर एडीजे श्री बारपेटे , न्यायाधीश गण एवं अभिभाषक संघ के अध्यक्ष महेंद्र पाटीदार ने किया।

झारखंड में दिल्ली के श्रद्धा हत्याकांड जैसा मामला : लिव-इन पार्टनर की गला घोंटकर हत्या

नेशनल डेस्क। झारखंड के खूंटी जिले में एक जंगल से सटे इलाके में कसाई का काम करने वाले 25 वर्षीय व्यक्ति ने अपनी 'लिव-इन पार्टनर' की कथित तौर पर गला घोंटकर हत्या कर दी और उसके शव के कई टुकड़े कर दिए और जंगल में फेंक दिए। वहीं पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि आरोपी की पहचान नरेश भेंगरा के रूप में हुई है और उसे गिरफ्तार कर लिया गया है।

यह मामला हत्या के लगभग एक पखवाड़े बाद 24 नवंबर को उस समय सामने आया जब जरियागढ़ थाना क्षेत्र के जोरदाग गांव के समीप एक आवारा कुत्ते को मानव अंग के साथ देखा गया। भेंगरा पिछले कुछ साल से जिले की ही 24 वर्षीय महिला के साथ तमिलनाडु में 'लिव-इन' में रह रहा था। कुछ समय पहले वह झारखंड लौटा और अपनी साथी को बताए बिना उसने दूसरी महिला से शादी कर ली और अपनी पत्नी को साथ लिए बिना ही दक्षिणी राय वापस चला

गया। इस मौके पर खूंटी के पुलिस अधीक्षक (एसपी) अमन कुमार ने बताया, ''यह क्रूर घटना 8 नवंबर को खूंटी में हुई।

वहीं आरोपी ने दूसरी महिला से शादी कर ली थी और वह पीड़िता को अपने घर नहीं ले जाना चाहता था। आरोपी उसे जरियागढ़ थाने के जोरदाग गांव में अपने घर के पास एक जंगल में ले गया और उसके टुकड़े-टुकड़े कर दिए। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है।'' मामले की जांच कर रहे निरीक्षक अशोक सिंह ने बताया कि व्यक्ति तमिलनाडु में एक कसाई की दुकान में काम करता था और 'चिकन' काटने में माहिर था।

वहीं सिंह ने बताया, ''उसने महिला के शरीर के अंगों को 40 से 50 टुकड़ों में काटने की बात स्वीकार की और फिर उन्हें जंगल में जंगली जानवरों के खाने के लिए छोड़ दिया। पुलिस ने 24 नवंबर को इलाके में एक कुत्ते को कटे हुए मानव हाथ के साथ देखने के बाद महिला के शव के कई अंग बरामद किए। सिंह ने बताया कि महिला को उसकी शादी के बारे में पता नहीं था, इसलिए उसने उस पर खूंटी लौटने का दबाव बनाया। रांची पहुंचने के बाद वे 24 नवंबर को ट्रेन से उस व्यक्ति के गांव के लिए रवाना हो गए। इस मौके पर अधिकारी ने कहा, ''आरोपी उसे एक ऑटोरिक्शा में खूंटी स्थित अपने घर के पास ले गया और उसे इंतजार करने के लिए कहा। वह धारदार हथियार लेकर लौटा और उससे दुष्कर्म करने के बाद दुपट्टे से उसका गला घोंट दिया। इसके बाद उसने शव को 40 से 50 टुकड़ों में काटा और खुद अपनी पत्नी के साथ रहने के लिए घर चला गया।''

शव के टुकड़ों की बरामदगी के बाद जंगल में मृत महिला के सामान वाला एक बैग भी मिला जिसमें उसका आधार कार्ड भी शामिल था। महिला की मां को मौके पर बुलाया गया और उसने अपनी बेटी के सामान की पहचान की। इस घटना से क्षेत्र के लोग स्तब्ध हैं और 2022 में हुए श्रद्धा वाकर हत्याकांड की याद ताजा कर दी। 'लिव-इन पार्टनर' ने ही वॉकर की हत्या की थी और उसके शव के टुकड़े कर दक्षिण दिल्ली स्थित महरौली के जंगल में फेंक दिया था।

हिंसक हुआ इमरान समर्थकों का मार्च

6 सुरक्षाकर्मियों की मौत और 100 से यादा घायल

इस्लामाबाद: जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के समर्थकों की मंगलवार को पुलिस से हुई झड़पों में छह सुरक्षाकर्मी मारे गये और कई अन्य घायल हो गये। खान को जेल से रिहा किये जाने की मांग को लेकर उनके समर्थक राजधानी इस्लामाबाद पहुंच गये। टीवी चैनलों की फुटेज में खान के समर्थक डी-चौक की ओर जाने वाली सड़कों पर रखे शिपिंग कंटेनरों पर चढ़ते हुए दिखाई दिए। डी-चौक कई महत्वपूर्ण सरकारी इमारतों राष्ट्रपति भवन, प्रधानमंत्री कार्यालय, संसद और उचतम न्यायालय के करीब स्थित है। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के शीर्ष नेताओं ने हालांकि खान की रिहाई तक इस्लामाबाद में रहने की प्रतिबद्धता जताई है।

खान की पत्नी बुशरा बीबी ने पार्टी समर्थकों से कहा, ''वादा करो कि जब तक खान हमारे साथ नहीं आ जाते, तब तक आप लोग डी-चौक नहीं छोड़ोगे। पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान (72) पिछले वर्ष अगस्त से जेल में हैं। उन्होंने 13 नवंबर को 24 नवंबर को देशव्यापी प्रदर्शन करने का आह्वान किया था। उन्होंने कथित तौर पर चोरी किये गये जनादेश, लोगों की गिरफ्तारी और 26वें संशोधन के पारित होने की निंदा की थी। इस बीच, इस्लामाबाद के पुलिस प्रमुख अली नासिर रिजवी ने उपद्रवियों को इस्लामाबाद से बाहर निकालने का वादा करते हुए कहा कि वह 'पीटीआई के समर्थकों को राजधानी में रैलियां या धरना देने से रोकने के इस्लामाबाद उच न्यायालय के आदेश का कार्यान्वयन सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने कहा, ''किसी भी उपद्रवी के प्रति कोई नरमी नहीं बरती जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि कानून प्रवर्तन एजेंसी कानून के अनुरूप कार्रवाई करेगी। प्रदर्शनकारियों पर आंसू गैस के गोले दागे जाने की खबरों के बीच, पार्टी अध्यक्ष गौहर अली खान ने संघीय सरकार से ''निर्दोष लोगों पर गोली नहीं चलाने का आह्वान किया है। उन्होंने अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं से भी संघर्ष में शांतिपूर्ण बने रहने का आग्रह किया। सरकारी मीडिया ने मंगलवार को बताया कि प्रदर्शन के हिंसक हो जाने के कारण अर्धसैनिक बल के चार जवान और पुलिस के दो कर्मी मारे गए तथा 100 से अधिक सुरक्षाकर्मी घायल हो गए। इस हिंसा के बाद संघीय सरकार ने मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी में सेना तैनात करने के साथ ही उन्हें आदेश दिए गए हैं कि उपद्रवियों को देखते ही गोली मार दी जाए। सूचना मंत्री तरार ने खान की पार्टी पर विदेशी तत्वों की मदद से विरोध प्रदर्शन आयोजित करने का आरोप लगाया और दावा किया कि प्रदर्शन में शामिल होने के लिए अफगान नागरिकों को भर्ती किया गया था। उन्होंने विशेष रूप से विदेशी भागीदारी के उदाहरण के रूप में गिरफ्तार 16 वर्षीय अफगान लड़के का उदाहरण दिया। आंतरिक मंत्री मोहसिन नकवी के बार-बार यह कहने के बावजूद कि किसी को भी डी-चौक तक पहुंचने की अनुमति नहीं दी जाएगी, वे अपने घोषित गंतव्य तक पहुंच गए।

नकवी ने यह भी कहा कि सरकार ने 'पीटीआई नेताओं को हर तरह से मनाने की कोशिश की, लेकिन वे संघीय राजधानी की ओर बढ़ गए। उन्होंने यह भी कहा कि 'पीटीआई के सभी समर्थक खैबर पख्तूनख्वा से आए थे। 'रेडियो पाकिस्तान ने बताया कि सोमवार देर रात इस्लामाबाद में श्रीनगर राजमार्ग पर एक वाहन द्वारा टक्कर मारे जाने से पाकिस्तान 'रेंजर्स के चार अधिकारियों की मौत हो गई और उनके पांच अन्य कर्मियों एवं पुलिस के कई अधिकारियों को भी गंभीर चोटें आईं हैं। रेडियो पाकिस्तान के अनुसार, इस स्थान से लगभग पांच किलोमीटर दूर हथियारों और गोला-बारूद से पूरी तरह लैस कुछ बदमाशों ने 'रेंजर्स के जवानों पर पथराव किया और रावलपिंडी स्थित चुंगी नंबर- 26 में सुरक्षाकर्मियों पर अंधाधुंध गोलीबारी की। इसमें यह भी बताया गया है कि पुलिस के दो कर्मी मारे गए। पंजाब पुलिस के अनुसार, सोमवार को 'पीटीआई के प्रदर्शनकारियों के साथ झड़प के दौरान इस्लामाबाद के बाहरी इलाके में हकला इंटरचेंज पर पुलिस के एक कर्मी की मौत हो गई। आंतरिक मंत्री नकवी ने देर रात मीडिया से बातचीत में कहा कि सौ से अधिक सुरक्षाकर्मी घायल हो गए, उनमें से अधिकतर पुलिसकर्मी थे।

उन्होंने कहा, ''प्रदर्शनकारियों द्वारा पथराव किए जाने के कारण पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी गंभीर रूप से घायल हो गए और उनके सिर में चोट आई। विरोध मार्च के दौरान पुलिस अधिकारी की मौत के सिलसिले में कथित भूमिका को लेकर खान और उनकी पार्टी के नेताओं के खिलाफ मंगलवार को आतंकवाद विरोधी अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया। प्रदर्शनकारियों द्वारा रेंजर्स और पुलिसकर्मियों पर हमले की कड़ी निंदा करते हुए, प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने एक बयान में घटना में शामिल लोगों को चिन्हित करने और उन्हें न्याय दिलाना सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा, ''तथाकथित शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन की आड़ में पुलिस और रेंजर्स पर हमले निंदनीय हैं।

उन्होंने कहा, ''अराजकतावादी समूह खून-खराबा चाहता है और पाकिस्तान किसी भी तरह की अराजकता या खून-खराबे को बर्दाश्त नहीं कर सकता। नापाक राजनीतिक एजेंडे के लिए खून-खराबा अस्वीकार्य और निंदनीय है। इस बीच, खान की पार्टी ने अधिकारियों पर हिंसा का सहारा लेने का आरोप लगाया है जिसमें उनके कई समर्थक घायल हो गए हैं। पार्टी के एक प्रवक्ता ने 'बीबीसी उर्दू को बताया कि दो समर्थक भी मारे गए हैं लेकिन अभी तक अन्य स्रोतों से इसकी पुष्टि नहीं हुई है। इस्लामाबाद और रावलपिंडी में कानून-व्यवस्था की स्थिति को देखते हुए मंगलवार को सभी सरकारी और निजी शैक्षणिक संस्थान बंद रहे। वर्ष 2022 में अविश्वास प्रस्ताव के जरिए खान की सरकार को हटाये जाने के बाद से वह कई मामलों में फंसे हुए हैं। खान रावलपिंडी की अदियाला जेल में बंद हैं।

ट्रंप का दावा-अमेरिका में प्रवासियों का अवैध प्रवेश रोकने पर मेक्सिको सहमत

इंटरनेशनल डेस्क: अमेरिका के निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बृहस्पतिवार को कहा कि अमेरिकी सीमा में प्रवासियों के अवैध प्रवेश पर तत्काल रोक के लिए मेक्सिको ने सहमति जताई है। मेक्सिको और कनाडा से सभी आयात पर 25 प्रतिशत कर लगाने की ट्रंप की घोषणा के बाद यह बयान आया है। इन देशों ने अमेरिका में प्रवासियों के अवैध प्रवेश को रोकने में असमर्थता जताई थी। सोशल मीडिया मंच 'ट्रुथ पर एक पोस्ट में ट्रंप ने कहा कि मेक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शिनबाम पार्डो से फोन पर उनकी सार्थक बातचीत हुई।

ट्रंप ने पोस्ट में कहा, ''मेक्सिको अपने लोगों को हमारी दक्षिणी सीमा पर जाने से रोकने के लिए तत्काल कदम उठाएगा। इससे अमेरिका में अवैध गतिविधियों को रोकने में काफी मदद मिलेगी। उन्होंने कहा, ''मेक्सिको की नयी राष्ट्रपति क्लाउडिया शिनबाम पार्डो के साथ अभी-अभी बेहद सार्थक बातचीत हुई। उन्होंने मेक्सिको से होकर अमेरिका में अवैध प्रवेश को रोकने पर सहमति व्यक्त की है, जिससे हमारी दक्षिणी सीमा पर अवैध प्रवेश प्रभावी रूप से बंद हो जाएगा।

ट्रंप ने कहा कि अमेरिका में मादक पदार्थ की तस्करी रोकने के लिए किए जाने वाले उपायों पर भी दोनों के बीच चर्चा हुई। ट्रंप ने सोमवार को एक पोस्ट में कहा था कि 20 जनवरी को पदभार ग्रहण करने के बाद वह अपने पहले उपाय के तहत कनाडा और मेक्सिको से आयात पर 25 प्रतिशत कर लगाने के लिए कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर करेंगे।

पोलैंड में बॉलीवुड एक्टर बनकर पहुंच गए थे भारतीय किसान

नेशनल डेस्क. रिश्वत देकर पोलैंड में बॉलीवुड एक्टर बनकर वीजा हासिल करने वाले भारतीय किसानों और रिश्वतखोर दूतावास के कर्मचारियों के खिलाफ पोलिश सरकार ने जांच पूरी कर ली है। पोलैंड में इस वीजा घोटाले की शुरुआती जांच रिपोर्ट संसद में पेश की गई है। यह घोटाला 2018 से 2023 के बीच हुआ, जब पोलैंड की दक्षिणपंथी पार्टी लॉ एंड जस्टिस (पी.आई.एस.) की सरकार सत्ता में थी। रिपोर्ट के मुताबिक इस घोटाले में पोलैंड के एशिया और अफ्रीका स्थित दूतावासों से वीजा लेने के लिए लोगों ने 40,000 अमेरिकी डॉलर यानी 30 लाख रुपये तक की रिश्वत दी थी। कई मामलों में वीजा मिलने के बाद ये लोग पोलैंड पहुंचे और फिर वहां से अमरीका चले गए। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में खेती करने वाले किसानों को पोलैंड का वर्क वीजा मिलना आसान नहीं था। इस मामले में पोलैंड के दूतावासों के कर्मचारियों ने किसानों को बॉलीवुड एक्टर बताकर वीजा आवंटित कर दिए थे। रिश्वत लेकर वीजा बांटने के ये मामले एशिया और अफ्रीका में कई देशों में हुए थे। जानकारी के मुताबिक पोलैंड की संसद द्वारा बनाई गई एक विशेष समिति ने वीजा घोटाले की जांच की है। समिति के प्रमुख, मारेक सोवा ने हाल ही में संसद में अपनी रिपोर्ट पेश की। रिपोर्ट में कहा गया कि पोलैंड की पूर्व सरकार में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार और लापरवाही हुई है। रिपोर्ट में पूर्व प्रधानमंत्री मैथ्यूज मोराविचकी, पूर्व विदेश मंत्री ज्बिग्नीव राऊ और पूर्व आंतरिक मंत्री मारियुस कामिंस्की का नाम शामिल है। इन नेताओं पर कानून तोड़ने और अपने पद का दुरुपयोग करने के आरोप हैं। जांच में यह भी पता चला कि पोलैंड के दूतावासों ने हजारों वीजा बड़ी रकम लेकर जारी किए. सुप्रीम ऑडिट ऑफिस की जांच में यह सामने आया कि एक ही एजेंसी ने छह सालों में 4,200 से अधिक वीजा जारी किए। कुछ वीजा के लिए 7,000 यूरो यानी करीब 7 लाख रुपये तक वसूले गए। पोलैंड के विदेश मंत्री रादोस्लाव सिकोर्स्की के हवाले से रिपोर्ट में कहा गया है कि दूतावासों पर गलत तरीके से दबाव डाला गया। उन्होंने कहा कि काउंसल्स को ऐसे लोगों को वीजा देने के लिए मजबूर किया गया, जिन्हें वीजा नहीं मिलना चाहिए था। इनमें रूसी नागरिक भी शामिल थे। यह घोटाला पोलैंड के इतिहास का सबसे बड़ा राजनीतिक संकट माना जा रहा है। पी.आई.एस. सरकार ने खुद को एंटी-इमिग्रेशन पार्टी के रूप में पेश किया था, लेकिन इस घोटाले ने उनकी छवि को नुकसान पहुंचाया। 2024 के चुनाव प्रचार के दौरान विपक्षी नेता डॉनल्ड टस्क ने इस घोटाले को 21वीं सदी का पोलैंड का सबसे बड़ा घोटाला कहा था। चुनाव में पी.आई.एस. पार्टी हार गई और टस्क की पार्टी सिविक प्लेटफॉर्म ने सरकार बनाई। घोटाले में भारतीय किसानों के अलावा, हांगकांग, ताइवान, सऊदी अरब, सिंगापुर, फिलीपींस, कतर और यू.ए.ई. के लोगों ने भी भारी रकम देकर पोलिश वर्क वीजा हासिल किए। इस घोटाले के बाद पोलैंड की नई सरकार ने वीजा नियमों को कड़ा कर दिया है। खासतौर पर स्टूडेंट वीजा के लिए सख्ती की जा रही है। समिति ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि इस घोटाले के लिए जिम्मेदार पूर्व अधिकारियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाए।

प्रियंका गांधी ने सांसद के रूप में ली शपथ

संसद में गांधी परिवार के तीन सदस्य एक साथ शामिल

नेशनल डेस्क. कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने आज पहली बार लोकसभा में सांसद के रूप में शपथ ली। वह केरल के वायनाड से हुए लोकसभा उपचुनाव में भारी जीत हासिल करने के बाद संसद में अपनी नई भूमिका में प्रवेश कर रही हैं। प्रियंका गांधी वाड्रा, उनके भाई राहुल गांधी और मां सोनिया गांधी के साथ संसद में एक साथ मौजूद हैं।

गांधी परिवार का ऐतिहासिक क्षण प्रियंका गांधी वाड्रा का लोकसभा में प्रवेश गांधी परिवार के लिए एक ऐतिहासिक क्षण है, क्योंकि संसद में दशकों बाद तीन सदस्य एक साथ दिखाई देंगे। प्रियंका गांधी वाड्रा और राहुल गांधी दोनों लोकसभा में होंगे, जबकि उनकी मां सोनिया गांधी राज्यसभा सांसद के रूप में पहले से मौजूद हैं। सोनिया गांधी 2024 के लोकसभा चुनाव में रायबरेली से नहीं लड़ने का निर्णय ले चुकी हैं, इसलिए वह राज्यसभा में हैं। प्रियंका गांधी वाड्रा, सोनिया गांधी और दिवंगत प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के बाद परिवार की तीसरी महिला सदस्य बन गई हैं, जिन्होंने सांसद के रूप में शपथ ली है।

प्रियंका गांधी की वायनाड से भारी जीत

प्रियंका गांधी वाड्रा ने वायनाड सीट पर अपने निकटतम प्रतिद्वंदी, सीपीएम के सत्यन मोकेरी को चार लाख से अधिक वोटों के अंतर से हराया। प्रियंका को इस सीट पर कुल 6.22 लाख वोट मिले, जो 2024 के चुनावों में राहुल गांधी द्वारा प्राप्त वोटों से भी अधिक थे। राहुल गांधी ने पहले वायनाड से चुनाव लड़ने का फैसला किया था, लेकिन बाद में उन्होंने अपनी सीट खाली की और प्रियंका को यहां से उम्मीदवार बनाया।

प्रियंका गांधी वाड्रा ने अपनी जीत के बाद कहा, मैं संसद में लोगों की आवाज बनने के लिए उत्सुक हूं। आपने मुझ पर जो भरोसा जताया है, उसके लिए मैं आपका धन्यवाद करती हूं। मैं यह सुनिश्चित करूंगी कि यह जीत आपकी जीत है और मैं आपके सपनों और उम्मीदों को संसद में हर जगह उठाऊंगी।

प्रियंका गांधी के भाई राहुल गांधी ने भी वायनाड में शानदार जीत हासिल की थी, जहां उन्होंने अपने भाजपा प्रतिद्वंद्वी को 3.64 लाख वोटों से हराया था। राहुल गांधी ने इस सीट पर 6.47 लाख वोट हासिल किए और यह उनका लगातार दूसरा चुनाव था, जिसमें उन्होंने जीत दर्ज की।

प्रियंका गांधी का राजनीति में प्रवेश

प्रियंका गांधी ने राजनीति में 2019 में कदम रखा था जब उन्हें कांग्रेस पार्टी के पूर्वी उत्तर प्रदेश का प्रभारी महासचिव नियुक्त किया गया। इसके बाद, उन्होंने 2022 में उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों में भी पार्टी को मजबूत करने की कोशिश की थी, हालांकि पार्टी वहां प्रभाव छोड़ने में विफल रही थी। प्रियंका गांधी वाड्रा ने 2024 के लोकसभा चुनावों में कांग्रेस पार्टी को उत्तर प्रदेश और अन्य राज्यों में मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके नेतृत्व में, कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के गठबंधन ने उत्तर प्रदेश की 80 लोकसभा सीटों में से 43 पर जीत हासिल की और भाजपा के बहुमत के आंकड़े को पार करने से रोक लिया। प्रियंका गांधी ने रायबरेली और अमेठी में भी पार्टी को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई, जहां गांधी परिवार की मजबूत पकड़ रही है।

अमेठी में पार्टी के सहयोगी किशोरी लाल शर्मा ने भाजपा नेता स्मृति ईरानी को हराया। प्रियंका गांधी के अलावा, कांग्रेस नेता रवींद्र चव्हाण भी आज लोकसभा में शपथ लेंगे। उन्होंने नांदेड़ सीट पर हुए उपचुनाव में भाजपा के उम्मीदवार को हराकर जीत दर्ज की थी।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569